जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

उदयपुर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर, गुरुवार 15 सितम्बर, 2022

विचार बिन्दु

केवल आत्मज्ञान ही हृदयात्मा को सच्चा आनंद प्रदान करता है। –रामतीर्थ

बेहतर शिक्षा की व्यवस्था के लिए नागरिकों का सक्रिय होना जरूरी

शिक्षक दो प्रकार के होते हैं। एक खोटे शिक्षक और दूसरे खरे शिक्षक। खोटा शिक्षक एक आसान विषय को जटिल बना देता है और एक खरा शिक्षक कठिन विषय को भी सरल बना देता है। खरे शिक्षक को पढ़ाने में आनंद आता है, वह पढ़ा कर आनंदित होता है और उससे पढ़ने वाले छात्रों को भी आनंद आता है। वहीं खोटा शिक्षक खुद तो भ्रमित रहता ही है अपने छात्रों को भी भ्रमित करता है। इसीलिए कहा जाता है कि खरा शिक्षक खुद हमेशा एक छात्र बना रहता होता है। उसका नियमित कक्षा में उपस्थित होना उसकी स्थाई रूप से उसकी परीक्षा होनी होती है। एक छात्र तो परीक्षा देने तक ही अस्थायी तौर पर किसी कक्षा में रहता है, मगर शिक्षक की तो वहां स्थाई उपस्थिति होती है। एक खरे शिक्षक की कीमत का पता तब चलता है खोटे शिक्षकों को देखा जाता है। एक खोटे शिक्षक की कक्षा में जाकर आप किसी खरे शिक्षक की कक्षा में जाते हैं तब आपको दोनों के बीच का फर्क समझ में आता है। इससे उलट करके भी जाएं तो भी नतीजा यही मिलेगा। आज़ादी के बाद देश को बनाने का जज़्बा समय बीतने के साथ ज्यों ज्यों कम होता गया राजनीति सेवा के काम से च्युत होकर मेवा पाने का औजार बन गई। उसका असर देश के विकास की गति पर पड़ा, जिसमें शिक्षा का प्रबंधन और विकास भी शामिल था। चार दशक पहले शिक्षकों के तबादलों में दलीय राजनीति ने घुसपथ शुरू की वह आज सर्वव्यापी हो चली है। सरकारी शिक्षकों के तबादलों में विधानसभा सदस्यों की डिज़ायर आधारित व्यवस्था ने तो सभी कुछ मटियामेल कर देने में कोई कसर नहीं छोडी है। ऐसे हालात बन रहे हैं कि जब न तो शिक्षक को क्लास लेने में कोई रुचि रह गई है और न छात्रों को कक्षाएं अटेंड करने में कोई दिलचस्पी है। उच्च शिक्षा में तो यह नियम ही हो चला है। इस माहौल में खोटे शिक्षकों का बोलबाला होने लगे तो क्या आश्चर्य है। सच तो यह है कि वर्तमान स्कूली शिक्षा के शासन तंत्र में खरे अध्यापक का स्थान धीरे-धीरे संकुचित होता जा रहा है, उसकी हैसियत कमतर होती जा रही है। उसे शासक दल का कोई भी निर्वाचित प्रतिनिधि तंग कर सकता है। खोटा शिक्षक अपनी सुरक्षा के लिए चापलूस बन कर या अन्य जरियों से विभाग के तथा राजनीति के ऊंचे पहलवानों से पहचान बनाए रखता है। ऐसी हालत में निगाह घुमाएं तो हमें अनेक शिक्षक दलीय राजनीति के प्रपंच में पड़े भी नज़र आ जाते हैं। ऐसे शिक्षक अपनी कक्षा में विद्यार्थियों पर क्या असर डालते होंगे इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। शासन की सारी व्यवस्था उच्च अधिकारियों और राजनेताओं के मरजीदानों की पौ बारह करती है। यहां तक कि स्कूली शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम निर्धारण भी यथास्थितिवादी मरजीदानों के भरोसे ही होता है। हमारे यहां की सरकारी व्यवस्था की एक विशेषता यह भी है कि उसमें पाठ्यक्रम निर्माण तथा पुस्तक चयन के काम को पढ़ाने के काम से पूरी तरह अलग करके रखा गया है। वर्षों तक एक विषय पढा चुकने के बाद भी कोई अध्यापक पाठ्यक्रम में संशोधन का सुझाव कारगर रूप से ऊपर वालों के सामने नहीं रख सकता। रखता है तो वह व्यंग्य या कोप का भाजन होता है। पाठ्यक्रमों में संशोधन के फैसले शासन में बैठे लोगों के मरजीदानों के समूहों के लिए सुरक्षित होते हैं। इन अनौपचारिक समूहों में कुछ नौकरशाह, कुछ शिक्षक और कुछ प्रशिक्षण संस्थाओं से सेवानिवृत्त लोग होते हैं। इन व्यवस्थाओं को बदलने का जिम्मा निर्वाचित राजनेताओं का है, जिन्हें यह सामाजिक दायित्व निभाना था। वे भटक गये तो व्यवस्थाएं भी भटक गई। राजनीति में लोग अब इस आस से आने लगे कि उनके हाथ में वैसी ही ताकत आ जाएगी जैसी देश में गणतांत्रिक संविधान के लागू होने से पहले राजाशाही में सामंतों के हाथ में हुआ करती थी। ऐसा माहौल 1980 के दशक में खुल कर शुरू हुआ और सुरसा की भांति बढ़ता ही चल गया। हमारी विडंबना यह भी है कि हम शिक्षा व्यवस्था में अध्यापन को एक बौद्धिक काम नहीं मानते बल्कि हमने उसे एक मशीनी कौशल मान लिया हैं जिस में एक बार सिद्धहस्त हो जाने के बाद कभी कुछ पढ़ने या सोचने की जरूरत नहीं रह जाती। ऐसे में हम अपने बच्चों की कल्पना शक्ति व प्रतिभा के विकास में अध्यापक के सहयोग की आशा कैसे कर सकते हैं!

रटा-रटा कर परीक्षाएं पास करवाने वाला शिक्षक खोटा ही कहा जाएगा। आज की दुनिया में बच्चों को जरूरत है पढ़ाए जा रहे विषय को गहराई से जानने की, समझने की। इसके अभाव में कागज की डिग्रियां तो विद्यार्थी के हाथ में आ जाती है मगर वह अर्थव्यवस्था में किसी महत्व का नहीं रहता।

आजादी बाद शुरू शुरू में शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए प्रयास जरूर हुए। संविधान लागू हो जाने के बाद पहला आयोग माध्यमिक शिक्षा में सुधार के तरीके सुझाने के लिए बनाया गया था। इस आयोग की रिपोर्ट को 'मुदलियार रिपोर्ट' के नाम से जाना जाता है। इसकी कुछ सिफारिशें अमल में आयीं और कई सिफ़ारिशें आज भी केवल प्रशिक्षण संस्थाओं में पढ़ाने के लिए रह गई हैं। आज यदि इस रिपोर्ट के नज़रिये से देखें तो पाते हैं कि माध्यमिक शिक्षा की परिस्थिति उतनी नहीं बदली जितनी आशाएं की गई थीं। पाठ्यक्रम, प्रशिक्षण और परीक्षा व्यवस्था में कमज़ोरियों और जड़ताओं के अनेक कारण हैं। माध्यमिक शिक्षा किशोर से युवा होते बच्चों के लिये होती है। इस आयु में समाज और परिवार की माली हालत का सीधा प्रभाव बढ़ जाता है। जहां गरीब परिवारों के किशोरों पर काम धंधे में लगने का दबाव बढ़ जाता है वहीं समृद्ध परिवारों के बच्चों पर परीक्षा में ऊंचे अंक लाने के लिए दबाव पड़ता है। यह हालत देश में विषमता का भी परिचय देती है। देश में स्पष्टतः दो वर्ग बन गए हैं। जिन स्कूलों में गरीब बच्चे पढ़ते हैं उनकी तरफ ध्यान देने के लिए कोई तबका सरकार पर दबाव नहीं बनाता। स्कूलों और छात्रों का सामाजिक हैसियत के अनुसार बंटवारा होता है जिसे पाटने के लिए शिक्षा नीतियां कुछ भी नहीं कर पाती। हमारे देश में मौखिक परंपरा के चलते पाठ को रटना सदियों से शिक्षा प्रणाली की रीढ़ की हड्डी रहा है जिसे मोटे तौर पर अब भी अपनाया जा रहा है। हालांकि मौखिक परंपरा से ही हजारों वर्षों तक ज्ञान पीढ़ी दर पीढ़ी आगे संप्रेषित हो सका है, मगर अब इसमें क्रांतिकारी सुधार अपेक्षित है जहां विद्यार्थियों में याद रखने पर जोर नहीं दिया जाकरउनमें जानकारी खोजने, उसे जांचने और रचनात्मक रूप से उसका उपयोग करने की क्षमता विकसित करने की जरूरत है। अब तक हमारी शिक्षा व्यवस्था में याद या सामान्य बोलचाल की भाषा में कहें रट्टा लगाने पर ध्यान केंद्रित होता रहा है जिसका उद्देश्य छात्र के सिर में अधिक से अधिक जानकारी को खपा देना होता है। रटा-रटा कर परीक्षाएं पास करवाने वाला शिक्षक खोटा ही कहा जाएगा। आज की दुनिया में बच्चों को जरूरत है पढ़ाए जा रहे विषय को गहराई से जानने की, समझने की। इसके अभाव में कागज की डिग्रियां तो विद्यार्थी के हाथ में आ जाती है मगर वह अर्थव्यवस्था में वह किसी महत्व का नहीं रहता।

पुरानी शिक्षा प्रणाली को सुधारने के लिए, न केवल शिक्षकों को बल्कि अभिभावकों को भी बदलना होगा। कई माता-पिता को यह सहज लगता है कि उनके बच्चों को वैसे ही पढ़ाया जा रहा है जैसे वे खुद पढ़ते थे। उन्हें लगता है कि अगर बच्चे को निर्धारित सवालों के जवाब ठूंस-ठूंस कर याद नहीं कराए गये तो वे अच्छी शिक्षा और सामान्य ज्ञान से वंचित रह जाएंगे जो उन्हें नुकसान पहुंचाएगा। उन्हें यह समझाने की जरूरत है कि ऐसा बिल्कुल नहीं है, बल्कि इससे बिल्कुल विपरीत है। जिस प्रकार सूचना प्रौद्योगिकी का तेजी से विस्तार हो रहा है उसे देखते हुए कहा जा सकता है कि भविष्य में छात्रों को विषयों से संबंधित जानकारी के संदर्भों की बेहतर समझ पैदा करने की जरूरत होगी। उनके लिये यह जानना भी आवश्यक है कि उन्हें जरूरी जानकारी कहां से प्राप्त करनी है और इसका उपयोग कैसे करना है। यहां खरे शिक्षक की भूमिका रेखांकित होती है जो नए तकनीकी दौर में अपने विद्यार्थियों को सिखाते हुए खुद भी सीखने को हर पल तत्पर रहे। स्कूलों में खास कर प्राथमिक स्तर की कक्षाओं में संचार, आपसी संबंध, स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, और व्यक्तिगत विकास - ये सभी विषय हैं जिन्हें प्राथमिक विद्यालय में पढ़ाया जाना अपेक्षित हो गया है मगर वे सभी मौजूद स्कूली पढ़ाई में कमोबेश अनुपस्थित हैं। इस नई जरूरत के लिए न केवल एक संतुलित पाठ्यक्रम की दरकार होगी बल्कि इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि शिक्षक इसे कितनी अच्छी तरह कार्यान्वित कर पाते है। इसके लिए हमें शासन को बाध्य करना होगा कि वह खरे शिक्षक चुने और उन्हें समर्थन दे। लोकतंत्र में शासन को बाध्य करने का काम नागरिक अपने मताधिकार के जरिए कर सकते हैं। यहां नागरिकों को जगाने का काम संजीदा मीडियाकर्मी कर सकते हैं। राजनेता यह कह कर अपना पल्ला नहीं झाड़ सकते कि हमने शिक्षा के अधिकार का कानून बना दिया है और हमारा कर्तव्य पूरा हो गया है। नागरिकों को उनके सामने खड़े होकर यह पूछना होगा कि क्या इस कानून के बाद शिक्षा पाने की एक न्यायपूर्ण व्यवस्था हो पाई है? क्या सबको शिक्षा के समान अवसर मिल गये हैं? क्या सबको गुणवत्ता वाली शिक्षा दिला पाने का दायित्व शासन निभा पाया है? नागरिकों को समझना होगा कि उन्होंने बहुत समय गंवा दिया। अब समय आ गया है कि हर बालक, हर युवा को अच्छी शिक्षा देना सुनिश्चित करने के लिए लोकतान्त्रिक तरीकों से शासन को बाध्य किया जाय।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं समीक्षक)

झाड़ू की ऊंची उड़ान : धरती से प्रिंट और सोशल मीडिया तक

शब्द झाड़ू पढ़ कर चौंकिए मत, इसमें कुछ भी अप्रत्याशित नहीं, केवल हम इसके महत्व से अभी तक अनिभिज्ञ रहे हैं किसी अन्य ग्रंथ में झाड़ू की प्राचीनता के प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं। वेद, उपवेद, आदि। प्राचीन काल से ही झाड़ू मानव घरों में उपयोग में ली जाती रही है।

छोटी से छोटी चीज पर भी मानव का ध्यान आकर्षित हुआ है और उन पर फिर काफी खोजबीन और सन्दर्भ लिखे गए। तो यह कुछ अटपटा सा लगता है कि झाड़ू पर कोई अनुसन्धान, पुस्तक, लेख या वार्ता, नाटक या अन्य कोई सन्दर्भ न लिखा गया हो? अभी एक सप्ताह भी नहीं हुआ एक पूरा हिंदी दैनिक अखबार का पन्ना और वह भी प्रथम कवर पेज जिसे अखबारी दुनियां में शीथ कहते हैं, पर झाड़ू का विस्तृत विज्ञापन छपा था उसे देख कर मेरा माथा ठनका क्योंकि जीवन में झाड़ू पर मैंने पहला विज्ञापन देखा। कोतूहल, जिज्ञासा उत्पन्न होना स्वावाभिक थी, विज्ञापन चूँकि ओसवाल सोप ग्रुप कंपनी का था, एक पूरे पेज के विज्ञापन का अर्थ लाखों रुपये का खर्च और वो भी झाड़ू पर, मन ने सोचा–झाड़ू का कुछ तो महत्व है, पर झाड़ू जैसे अभी तक उपेक्षित घरेलू उपकरण को अपना वांछित स्थान मिला क्यों नहीं? इतना ही नहीं अब तो वही विज्ञापन सोशल मीडिया पर यू ट्यूब बना कर डाल दिया गया है। अतः निश्चित ही अब पूरे देश के हिंदी भाषिओं और विदेशों में बसे हिंदी भाषी भारतीय भी यू ट्यूब को देख झाड़ू के बारे में ज्ञान अर्जित कर सकेंगे और इस प्रकार झाड़ू अपेक्षाकृत बहुत कम समय में अपनी विशेषताओं से विश्व को अवगत करा सकेगी। जब बिना कुछ योगदान के इस देश में पदम पुरस्कार और भारतरत्न दे दिए जाते हैं तो इस वार झाड़ू को कम से कम सम्पादकीय लेख के लिए ही विषय चुन क्यों न सम्मानित कर दिया जाय??

मेरे मन में आया झाड़ू जैसा महत्वपूर्ण प्रतिदिन काम आने वाला घरेलू देसी उपकरण का विवरण हिंदी पाठकों के पढ़ने के लिए कुछ रोचक सामग्री के साथ परोसा जाय तो झाड़ू के प्रति अभी तक उपेक्षित व्यवहार की कुछ भरपाई तो हो ही जायेगी, और झाड़ूभी अपने को धन्य समझेगी, कि चलो किसी मानव लेखक ने उसके बारे में कुछ तो सोचा और मेरे सभी पक्ष समेटे । मेरे प्रति एक लेख राजस्थान के सबसे पुराने एवं हिंदी जगत के पाठकों द्वारा पढ़े जाने वाले दैनिक अखबार राष्ट्रदूत; में सम्पादकीय लेख लिख दिया।

मैं दावे से कह सकता हूँ कि अंग्रेजी के किसी मशहूर उपन्यासकार, शेक्सपियर, कीट्स, ऑथेलो लोंगफैलो आदि ने भी कभी झाड़ू के बारे में सोचा नहीं होगा। लेखक का दृष्टिकोण अलग है वह इस लेख में मनोरंजन की दृष्टि से झाड़ू का विवरण नहीं लिख रहा बल्कि झाड़ू के महत्व को देखते हुए उसके विभिन्न पक्षों को उद्घाटित करने का प्रयास कर रहा है।

ओसवाल सोप कंपनी के एक विज्ञापन ने मेरे निष्क्रिय मन में भी झाड़ू के प्रति जागरूकता उत्पन्न कर दी। फलस्वरूप अन्य विषयों को छोड़ मैं झाड़ू को प्राथमिकता दे उस पर लेख लिखने बैठ गया, जो आप पढ़ रहे हैं। घर में साफ़-सफाई करने के लिए हर घर में झाड़ू-पोंछा का उपयोग किया जाता है। प्रतिदिन झाड़ू-पोंछा से सफाई करने पर घर में सुख समृद्धि आती है। झाड़ू लगाने के कुछ नियम भी हैं–जैसे किसी व्यक्ति के घर से बाहर जाने पर तुरंत घर द्वार पर झाड़ू नहीं लगाई जाती। झाड़ू का काम समाप्त होने पर उसे घर में ऐसे स्थान पर लिटा कर रखा जाता है जहाँ किसी का पैर उस पर न पड़े कभी भी झाड़ू को दीवार के सहारे खड़ी रखने का नियम नहीं है, झाड़ू पर कभी पैर नहीं रखना चाहिए।

प्रो. डॉ. वीर बहादुर सिंह

अनायास धोखे से यदि झाड़ू पर पैर लग जाय तो तुरंत ही हाथ जोड़कर क्षमा मांग लेनी चाहिए।

झाड़ू की कई किस्मे हैं–जैसे फूल झाड़ू, बांस की झाड़ू, सींक की झाड़ू, नारियल या खजूर के पत्तों की झाड़ू, मोर के पंखों की झाड़ू आदि। मोर पंख की झाड़ू कांच में फ्रेम किये फोटो, कैलेंडर या दीवार पर टंगे अन्य वस्तुओं की धूल जाला की सफाई के लिये काम में लिया जाता है। आजकल झाड़ू बनाने के लिए कुछ अन्य पेड़-पौधों को भी उपयोग में लिया जाता है जैसे–पीली सरसों के फसल काटने के उपरांत पेड़, अरहर दाल के पेड़ जिनकी झाड़ू को ऊबड़खाबड़ सख्त जमीन से मोटा-मोटा कूड़ा बुहारने के लिए किया जाता है। इसे गांव में खराड़ा कहा जाता है। मोटा कूड़ा एकत्रित करने के कारण झाड़ू को बुहारी भी कहा जाता है।

आजकल फूल झाड़ू और तार की झाड़ू मशीनों से बनने लगी हैं। बहुत ही तुच्छ लगने वाली चीज का देश में हजारों करोड़ का व्यवसाय है। राजस्थान का पाली जिला झाड़ू के उद्योग के लिए प्रसिद्ध है। वही ग्रामीण भारत के गरीब जंगलों से कच्चा माल एकत्रित कर घरेलू उद्योग की तरह झाड़ू बनाकर शहरों में सस्ती बेच देते हैं।

राजस्थान के पाली जिले में सड़क बुहारने के लिए लम्बी बांस की झाड़ू बनती हैं। झाड़ू के आगे के बारीक हिस्से को ब्रूम कहते हैं और इस ब्रूम को बारीक बड़े यंत्रों से बनाया जाता है।

घरों में झाड़ू को लक्ष्मी का दर्जा प्राप्त है। दीपावली उत्सव के अगले दिन घरों की महिलायें भोर में ही झाड़ू और थाली बजाकर घर के सभी कमरों में 39 भाग दलुद्दर (गंदगी) आई लक्ष्मी; कह कर यह आव्हान करती हैं कि घर से सब तरह की गंदगी दूर हो अर्थात दरिद्रता भाग लक्ष्मी (सम्पन्नता) को जगह खाली कर। कितना उच्च भाव है?

राजनीति में भी अभी कुछ वर्ष पूर्व ही झाड़ू का पदार्पण हुआ है और उसका जन्म समाजसेवी अन्नाहजारे के भ्रष्टाचार विरोधी एवं लोकपाल कानून की मांग से उपजे आम आदमी पार्टी ने झाड़ू को अपना प्रतीक घोषित कर दिया, उस समय मेरी प्रसन्नता का कोई ठिकाना हीं था। उस समय मेने सोचा था कि यह अस्त्र देश से सभी भ्रष्टाचार रुपी कचड़े को झाड़ू लगा देगा। तब यह आशाजनक लगा भी था क्योंकि झाड़ू तब धरती से उठ कर पार्टी के झंडे पर शोभायमान हो गई थी।

तदुपरांत झाड़ू के प्रतीक पर एक चुनाव देहली में लड़ा गया और पार्टी को उसमे विजय हासिल हुई। उस समय यह आशा जगी थी कि देश में अनेक स्तरों पर फैले व्यापक भ्रष्टाचार को यह पार्टी झाड़ू लगा कर देश निकाला दे देगी। फलस्वरूप दिल्ली में आप पार्टी का गठन बड़े उत्साह और जोरशोर से हुआ और फिर पंजाब प्रदेश में भी पार्टी ने कुछ उपस्तिथि दर्ज कर ली लेकिन जल्दी ही लोगों का भ्रम टूट गया क्योंकि जो पार्टी भ्रष्टाचार के मुद्दे पर दिल्ली में सत्ता में आई वही भ्रष्टाचार में आकंठ डूबती नजर आने लगी।

प्रजा को लुभाने और भ्रष्ट बनाने के हथकंडों को अपनाते हुए अनेक वित्तीय बिल मॉफ कर दिए गए और भविष्य में कुछ के लिए आश्वासन भी दे डाला। वित्तीय लाभ लेने वालों ने ये सोचा ही नहीं कि आखिर बिजली उत्पादन के लिए बजट कहाँ से आएगा? इसलिए बिजली उत्पादन को प्राइवेट करना अब समय की आवश्यकता होती जा रही है अन्यथा अन्य प्रदेश भी फ्री बिजली देकर अपना वोट बैंक मजबूत कर सकते हैं।

केंद्र सरकार भी देहली प्रान्त को समाप्त कर नेशनल कैपिटल में शामिल कर केन्द्रीय प्रशासन वहां लगा सकती है? जिससे दिल्ली की जनता मुफ्तखोरी की आदत से वापिस आम जनता में शामिल हो सके। देहली की जनता का देश की बाकी जनता से अब कोई सरोकार नहीं रह गया है। वह तो मुफ्त की रेवड़ी से गुलछर्रे उड़ा रही है और बाकी जनता टेक्स के भार से पिस कर त्राहि-त्राहि कर रही है जिसके कारण विपक्षी पार्टियाँ मंहगाई के मुद्दे पर सामूहिक रूप से मोदी को विस्थापित करने की देशव्यापी जनता जागरण यात्रा निकालने की योजना पर तैयारी कर रही हैं। झाड़ू के विषय पर वापिस लौटते हुए मेरा कहना है कि झाड़ू का चिन्ह अपना कर बाद में ही पार्टी ने झाड़ू के प्रति जो गंभीर अपराध किया है वह अक्षम्य है। एक बार प्याज की ऊंची कीमतों के कारण केंद्र सरकार गिर गयी थी यहाँ भी पवित्र लक्ष्मी स्वरूपा यथा झाड़ू के अपमान को भी देश की जनता धो डाले कोई आश्चर्य नहीं? जिससे झाड़ू के प्रति घोर अपमान की निंदा प्रमाणित हो सकेगी और सम्बंधित राजनैतिक पार्टी देश से नेष्तनाबूद हो अपने घर बैठेगी, और मुफ्तखोरों को एक सीख भी मिल जाएगी।

अतः उपरोक्त वर्णन से स्पष्ट है कि जिस घर, समाज, गांव, देश और राजनीति में झाड़ू का सम्मान होता है वहां स्वच्छता, सम्पन्नता और उत्तम स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है।

प्रो. डॉ. वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति एवं डेरी व खाद्य विज्ञ एमपीयूएटी , उदयपुर

जीवन में पहली बार आवाज सुनने पर बच्ची मुस्कुराई

एडीएम व एसडीएम ने कान की निःशुल्क जांच की व्यवस्था की व सुनने की मशीन वितरित की

नागौर, (निस)। श्री देव जसनाथ ट्रस्ट एवं श्री जसनाथ आसन पांचलासिद्धा में अली यावर जंग राष्ट्रीय वाक एवं श्रवण दिव्यांग जन संस्थान, दिव्यांगजन सशक्तिकरण सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार एवं श्री देव जसनाथ ट्रस्ट के संयुक्त तत्वाधान में निःशुल्क कान की जांच एवं सुनने की मशीन वितरण शिविर का बुधवार को शुभारम्भ हुआ।

इस अवसर पर मोहनलाल खटनावलिया अतिरिक्त जिला कलक्टर, नागौर, हनुमानराम चौधरी, उपखण्ड अधिकारी, खींवसर, डॉ. गोपाल शर्मा प्रोठाम इंचार्ज, महन्त योगेश्वर सुरजनाथ सिद्ध अध्यक्ष श्री देव जसनाथ ट्रस्ट पांचला सिद्धा, कंवराराम जांणी प्रवर्तन अधिकारी, रसद विभाग, नागौर, राजेन्द्रसिंह सरंपच ठाम पंचायत पांचला सिद्धा तथा गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

■ **सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद तक पहुचांने का किया आव्हान**

मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलक्टर मोहन लाल खटनावलिया ने अपने उद्बोधन में दिव्यांगजनों की योजना पालनहार योजना, पेंशन योजना, चिरंजीवी योजना के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी देते हुए सभी ग्रामवासियों से आहवान किया कि विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ जरूरतमंद तक पहुचांने में वे आमजन को जागरूक करे एवं उन तक लाभ पहुंचाने मे अपना सहयोग प्रदान करें। साथ ही श्री जसनाथ ट्रस्ट के बालिका शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण सरंक्षण, नशा मुक्ति अभियान, वंचित छात्रों को शिक्षा से जोड़ने आदि सामाजिक सर्वोकार के कार्यों की सराहना करते हुए ट्रस्ट को लगातार ऐसे कार्य करने की प्रेरणा दी।

उपखण्ड अधिकारी खीवंसर ने आसन की पवित्रता तथा आध्यात्मिक शांति के अपने अनुभव को साझा किया। उन्होनें कहा कि दिव्यांगजनों से संबंधित समस्याओं को विज्ञान एवं तकनिकी सहयोग से कुछ हद तक दूर किया जा सकता है। शिविर के शुभारम्भ में पहली श्रवण मशीन अतिरिक्त जिला कलक्टर, उपखण्ड अधिकारी, चिकित्सा अधिकारी एवं सुरजनाथजी सिद्ध महन्त जसनाथ आसन, पांचलासिद्धा ने पूजा पुत्री लुम्बाराम को दी गई। मशीन लगाने पर पूजा ने पहली बार जब आवाज सुनी तो अपनी खुशी के साथ मुस्कराते हुए अपने भावों की अभिव्यक्ति की।

सांभर के दरबार स्कूल में 37 में से 14 पद खाली

सांभरझील, (निसं)। ब्लॉक मुख्यालय पर सांभर की राजकीय दरबार उच्च माध्यमिक इंग्लिश मीडियम स्कूल में लम्बे समय से कक्षा पहली से बारहवीं तक में अध्ययनरत छात्र छात्राओं को अनेक विषयों के शिक्षकों के रिक्त पड़े पदों के कारण नियमित पढाई से तो हाथ धोना ही पड़ रहा है। प्रदेश सरकार की ओर से इंग्लिश मीडियम स्कूल में तब्दील करने के बाद दोगुनी गति से अभिभावकों का रूझान भी बढा और बेतहाशा नामांकन वृद्धि भी हुयी। वही भामाशाहों की ओर से हर प्रकार से दिये गये योगदान के बाद जिस गति से स्कूल का भौतिक विकास देखने को मिला उस हिसाब से यदि सरकार रिक्त पड़े शिक्षकों व मंत्रालयिक वर्ग के पदों को भरने की दिशा में कोई ठोस कदम उठाती है तो इसके और अधिक अनुकूल सार्थक परिणाम देखने को मिल सकते है।

स्कूल में 754 विद्यार्थी है जिनमें से 481 छात्र व 273 छात्राएं है। वर्तमान में यहां पर इतिहास, हिन्दी, जीव विज्ञान, अंग्रेजी के कुल 4 व्याख्याता नहीं है। वरिष्ठ अध्यापक के तौर पर 1 शारीरिक शिक्षक भी नहीं है। 3 ऐसे विशेष शिक्षकों के पद खाली है जिनकों क्षेत्र की आस-पास की सरकारी स्कूल में जाकर मूक-बधिर बच्चों को टेकल करके उनको पढ ाई के लिये शारीरिक भाषा के जरिये समझाकर भविष्य संवारना, लेकिन इनका भी नहीं होना एक पीड़ादायक ही है। कक्षा पहली से पांचवीं तक पढ़ ने वाले 3 अध्यापकों एवं कक्षा छठी से आठवी तक के बच्चों को गणित का 1 टीचर उपलब्ध नहीं है। पुस्तकलाध्यक्ष के पद पर काम करने वाले 1 थर्ड ग्रेड टीचर का टोटा होने से पुस्तकालय में हजारों की संख्या में ज्ञानार्जन की पुस्तकें ताले में बंद धूल फांक रही है। प्रयोगशाला सहायक के खाली पड़े एक पद के कारण यहां के शिक्षकों से अधिक विद्यार्थियों को अपने भविष्य की चिंता सता रही है।

1 वरिष्ठ लिपिक नहीं होने से भी परेशानी झेलनी पड़ रही है। सहायक कर्मचारी के 2 व 1 जमादार के पद खाली पड़े है, लिहाजा स्टाफ अपने स्तर से ही मैनेज करके काम चला रहा है। यद्यिप इस संदर्भ में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विद्याधर सिंह चौधरी ने समय समय पर शिक्षा मंत्री से क्षेत्र की सरकारी स्कूलों में रिक्त पदों को भरवाने की दिशा में ध्यान भी आकृष्ट करवाया जा चुका है।

फ़िल्म ''गौभक्त धन्ना जाट'' के शो की आमदनी गायों को दी

कोलसिया, (निसं)। श्री श्याम सरकार एवं श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ समिति के तत्वावधान में राजस्थानी फिल्म गौभक्त धन्ना जाट का विशेष शो गौवंश की सहायतार्थ काशीनाथ घाणेकर नाट्यय गृह ठाणे में किया गया। मुख्य अतिथि श्वेता शालिनी, फ़िल्म निर्माता हरिप्रकाश नहेरिया व फ़िल्म अभिनेता सन्नी अग्रवाल थे।

इस समय गौधन को बचाने के लिए प्रदेश में मारवाड़ी समाज आगे आया है। मशहूर समाजसेविका एवं वूमंस राइट्स एक्टिविस्ट डॉ. सुमन अग्रवाल ने बताया कि इस फ़िल्म को देखने हजारों की संख्या में शरीक होकर दर्शकों ने गौवंशों के प्रति सरक्षण के लिए जागृत होने का प्रमाण दिया।

सुमन अग्रवाल ने सभी गौभक्तों व फ़िल्म अभिनेता सन्नी अग्रवाल की तारीफ की। इस मौके पर अग्रवाल ने कहा कि इस फ़िल्म से जो भी आमदनी आएगी। वह गौमाता को समर्पित किया जाएगा। जिन्होंने भी फ़िल्म धन्ना जाट देखी। उन्होंने सन्नी के अभिनय की प्रशंसा की।

इनका मानना है कि अग्रवाल ने समाज को धार्मिक व सामाजिक फिल्में देकर युवा पीढ़ी को अपनी भाषा व संस्कारों को आगे बढ़ाने में बहुत बड़ा योगदान दिया है। फिल्म निर्माता हरिप्रकाश नहेरिया का स्वागत संस्था के संयोजक सुशील गाडिया, पवन शर्मा व पूरी टीम ने किया। फिल्म अभिनेता सन्नी अग्रवाल ने संस्था को धन्यवाद देते हुए राजस्थानी समाज से अपील की है कि जो भी भामाशाह व समाजसेवी इस फ़िल्म का शो करवाना चाहते है तो इनसे संपर्क कर सकते हैं।

राजस्थानी फिल्म गौभक्त धन्ना जाट का विशेष शो गौवंश की सहायतार्थ काशीनाथ घाणेकर नाट्य गृह ठाणे में किया गया।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

गुरूवार 15 सितम्बर, 2022

आश्विनी मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2079, भरणी नक्षत्र प्रातः 8:05 तक, हर्षण योग शुक्रवार प्रातः 5:27 तक, तैतिल करण दिन 11:01 तक, चन्द्रमा दिन 2:29 से वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-सिंह, चन्द्रमा-मेष, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-सिंह, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज ज्वालामुखी योग प्रातः 8:05 तक है। यमघट योग प्रातः 8:05 से सूर्योदय तक है। आज षष्ठि और कृत्तिका का श्राद्ध है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ सूर्योदय से 7:47 तक, चर 10:51 से 12:22 तक, लाभ-अमृत 12:22 से 3:25 तक, शुभ 4:57 से सूर्यास्त तक।

राहूकालः 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:16, सूर्यास्त 6:28

मेष

अपने आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी बनी रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

वृष

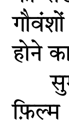

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। दिन के मध्यान्ह पश्चात मनःस्थिति में सुधार होगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

मिथुन

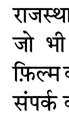

आर्थिक/वित्तीय मामलों को दिन के मध्यान्ह पूर्व में प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क

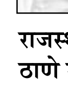

व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह

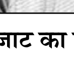

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी।

कन्या

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा।

तुला

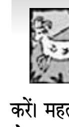

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात व्यावसायिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा।

वृश्चिक

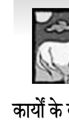

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी।

मकर

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

कुंभ

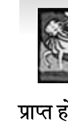

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

मीन

व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर
Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 29 संख्याः 313 प्रभात उदयपुर, गुरुवार 15 सितम्बर, 2022 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रु.

पांच महीने की भारत जोड़ो यात्रा से राहुल गांधी की ''ब्राण्ड इमेज'' में चमक तो जरूर आयेगी

पर, यह चमक कितने दिन चलेगी, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि, राहुल यात्रा के बाद ''क्या'' और कितना ''फॉलोअप'' कदम उठाते हैं

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। लम्बी दूरी की ''भारत जोड़ो यात्रा'' एक ऐसी चीज़ है जिसे राहुल गांधी को काफी समय पहले कर लेना चाहिए था, कांग्रेस के लिए और खासकर खुद के लिए ताकि भारतीय जनता पार्टी द्वारा बनाई गई ''पप्पू'' की छवि को समाप्त किया जा सके। उनके पप्पू की छवि निर्माण को सबसे मंहगे और सबसे बड़े मीडिया प्रौजेक्ट के रूप में वर्णित किया जा सकता हैं।

ब्रॉण्ड एक्सपर्ट्स और मार्केटिंग, बिजनेस तथा इमेज की दुनिया को समझने वाले लोगों और विशेषज्ञों के अनुसार एक नया ब्राण्ड ''ब्राण्ड राहुल'' बनाने के लिए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष को प्रयास करने होगें और इण्डिया तथा भारत की पांच माह लम्बी पैदल यात्रा के जरिए पप्पू के मिथक को चकनाचूर करने के लिए काफी मेहनत करनी पडेग़ी। लेकिन ब्राण्ड राहुल के उद्देश्य को पूरा करने के लिए यात्रा की सफलता और जनता की प्रतिक्रिया के अलावा अधिक महत्वपूर्ण है फॉलो अप एक्शन, जिसके लिए दृढ़ता निरंतरता और उद्देश्य के प्रति समर्पण भाव चाहिए।

- **ब्राण्ड विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि, राहुल गांधी की ''पप्पू छवि'', बहुत मेहनत करके भाजपा के प्रचार तंत्र ने जनता के ज़हन में जमा दी है।**
- **इस ''इमेज'' को मिटाना इतना आसान नहीं है। इसके लिये राहुल गांधी को लगातार लगे रहना पड़ेगा और इसके लिये दृढ़ता, मेहनत के अलावा बहुत पैसा चाहिये। दृढ़ता व मेहनत तो राहुल शायद कर सकते हैं, पर मीडिया में, जैसे ट्विटर, वॉट्सअप, आदि, पर लगातार काम करने के लिये एक्सपर्ट टीम व पैसा चाहिये, टी.वी. चैनल्स, एंकर्स, रिपोर्टरों व संपादकों को अपने प्रभाव में लेना होता है, जैसा भाजपा व आप ने कर रखा है।**
- **भाजपा का विशेष ध्यान राहुल पर रहता है, उनकी मीडिया टीम, राहुल की छोटी सी गल्ती को ''हाई-लाइट'' करने में कोई कसर नहीं छोड़ती।**
- **क्या राहुल इस प्रयास का जवाब दे सकेंगे। इसी पर उनके राजनीतिक जीवन की सफलता निर्भर है। यात्रा का एक विशेष लाभ जरूर होगा, कांग्रेस के कार्यकर्ता, जो किनारे पर बैठे हैं, यात्रा से राहुल में उनका और अधिक विश्वास दिखेगा।**

बैंगलोर की एक पी.आर.कम्पनी ''ब्रैण्डकॉम'' के संस्थापक एवं सी.ई.ओ. श्रीधर रामानुजन का मानना था किया कि यात्रा उन कई कार्यो में से एक है जो राहुल गांधी को करने चाहिए थे और उनको लेकर बनी गहरी धारणा को देखते हुए उन्हें स्वयं के लिए वह रूख अपनाना था जैसा कि वे वास्तविकता में हो सकते हैं। बैण्ड एक्सपर्ट ने कहा कि ''वे गरीबों पर ध्यान दे हे है, लेकिन शिक्षित मध्यम वर्ग की अनदेखी कर रहे हैं, जो अच्छी बात नहीं होगी। वे और उनकी पार्टी क्या दीर्घकाल को ध्यान में रखकर काम कर रहे हैं, यह स्पष्ट नहीं हैं।

रामानुजन ने कहा कि ''लागत है राहुल गांधी अरूचि और पूर्वव्यस्ता के विकल्पों में फंसे हुए हैं और इसीलिए जब भी अवसर मिले उन्होंने लोगों से मुलाकात के दौरान अपनी अच्छी छाप छोड़ने की जरूरत है। मैं उस छाप को महसूस करता हूँ जो उनकी विचित्र प्रकृति के कारण गहराई हुई है। सिर्फ समय और गंभीर प्रयास ही उन्हें इससे छुटकारा दिला सकते हैं, लेकिन कुल मिलाकर यह यात्रा उनकी छवि सुधार के लिए एक अच्छी शुरूआत है। निश्चित रूप से उन्हें एक दीर्घकालिक रणनीति की जरूरत है और यह उसका स्पष्ट क्रियान्वयन है।''

वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक समीक्षक माधवन नारायण की नज़र से पप्पू की छवि भाजपा द्वारा निर्मित एक मिथक है। उन्हों कहा कि ''एक छवि ही वह चीज़ है जिसे पार्टी के किसी नेता की विश्वसनीयता के रूप में मजबूत करने की जरूरत है और यदि वे उत्तर भारत के लोगों के समक्ष जन मुद्दे उठाने में कामयाब हो जाते हैं तो यह यात्रा उनके छवि निर्माण को मजबूती प्रदान कर सकती है।''

यह तो तय है कि राहुल गांधी अपनी और कांग्रेस पार्टी की एक विशिष्ट पहचान (ब्रान्ड) बनाने का एक बड़ा प्रयास कर रहे हैं लेकिन उन्हें अपनी पहचान को व्यापक बनाने के लिये विन्ध्याचल के उत्तर में, अर्थात उत्तरी भारत में उल्लेखनीय प्रभाव पैदा करना होगा। नारायण ने कहा, ''यह याद रखना बहुत जरूरी है कि ब्रान्ड का मतलब केवल याद किये जाने से नहीं, बल्कि प्रतिष्ठा एवं साख से भी है। इसके बावजूद कि भाजपा के पास प्रचार एवं दुष्प्रचार का एक व्यापक एवं सुदृढ़ तन्त्र है, जो उनकी हर छोटी-मोटी गलती पर झपट्टा मारता है, इसलिये उन्हें स्वयं को एक राष्ट्रीय ब्रान्ड बनाने के लिये सकारात्मक रूप में अतिरिक्त मेहनत करनी होगी।''

''बिज़नैस टुडे'' तथा ''बिज़नैस वर्ल्ड'' पत्रिकाओं के पूर्व सम्पादक प्रसन्नजित दत्ता ने कहा, ''इय इस बात पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

गांगुली और शाह को राहत

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। अपने पूर्व फैसले को पलटते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सौरव गांगुली और जय शाह को बी.सी.सी.आई के अपने पदों पर तीन और वर्षो तक कार्य करने की अनुमति दे दी। ज्ञातव्य है कि पूर्व में सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय दिया था कि बोर्ड ऑफ क्रिकेट कंट्रोल इन इंडिया के पदाधिकारी तीन साल से ज्यादा अपने पद पर नहीं रह पाएंगे।

- **सुप्रीम कोर्ट ने अपना पूर्व फैसला पलट दिया और अब सौरव गांगुली व जय शाह तीन और वर्षों के लिए बी.सी.सी.आई. का नेतृत्व कर पायेंगे। पूर्व में सुप्रीम कोर्ट ने ही निर्णय दिया था कि, बी.सी.सी.आई. के पदाधिकारी सिर्फ 3 साल के लिए ही अपने पद पर बने रह सकेंगे।**

बुधवार के सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने सौरव गांगुली और जयशाह के बी.सी.सी.आई. में अपने-अपने पदों पर बने रहने का रास्ता साफ कर दिया है।

जस्टिस डी.वाय. चंद्रचूड़ ने यह कहते हुए हस्तक्षेप करने से इन्कार कर दिया कि भारतीय क्रिकेट सफल है। न्यायिक पुनरावलोकन की वजह से नहीं

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'राहुल गांधी ही अध्यक्ष पद संभालें'

प्रदेश कांग्रेस कमेटियों को सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित करने के लिये कहा गया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। राहुल गांधी का मन बदलने और उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष बनने के लिए मनाने हेतु एक और प्रयास किया जा रहा है। कांग्रेस ने अपनी सभी प्रदेश कांग्रेस कमेटियों से कहा है कि वे राहुल गांधी से कांग्रेस की कमान संभाल ले व अध्यक्ष पद स्वीकार करने का आग्रह करने के लिए प्रस्ताव पारित करें। आज सभी पी.आर.ओ. की मीटिंग हुई जिसमें उन्हें उन पी.सी.सी. सदस्यों की लिस्ट दी गई जो वोट देंगे।

राहुल गांधी ने इंकार किया पर सूत्रों का कहना है कि सोनिया गांधी ने अभी हार नहीं मानी है और वे चाहती है कि राहुल गांधी पार्टी की कमान संभालें।

यह निर्णय ऐसे कई नेताओं के मनमाफिक हैं जो राहुल गांधी के नाम पर दुकान चला रहे हैं और राहुल गांधी के नाम या पार्टी चलाते हैं।

- **राहुल गांधी तो अडिग हैं, अध्यक्ष पद न संभालने के निर्णय पर, सोनिया गांधी ने हार नहीं मानी है तथा यह राहुल को अध्यक्ष बनवाने के प्रयास की अंतिम कोशिश है।**
- **अशोक गहलोत का खेमा इस प्रयास से आल्हादित है, क्योंकि इससे गहलोत की, कार्यकाल पूर्ण होने तक मु.मंत्री बने रहने की इच्छा पूरी होने की संभावना बनती है।**
- **पर, राहुल गांधी अभी दृढ़ संकल्पित हैं, कांग्रेस का अध्यक्ष पद न संभालने के निर्णय के बारे में। अतः गहलोत खेमे का आशावाद ज्यादा दिन जीवित नहीं रह पायेगा।**

समझा जाता है कि यह स्थिति अशोक गहलोत के भी अनुकूल है जो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा के 46 लोकसभा सांसद व राज्यसभा के 7 सदस्य एस.सी. वर्ग के हैं

इस वर्ग पर अपनी पकड़ बढ़ाने के लिये भाजपा व्यापक प्रोग्राम शुरू कर रही है, प्र.मंत्री के जन्मदिन से

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। भाजपा के राष्ट्रीय नेता जहां राहुल गांधी की ''भारत जोड़ो यात्रा'' पर छिद्रान्वेषी नज़र रखे हुये हैं, वही पार्टी के रणनीतिकार 2024 के लोकसभा चुनावों की तैयारी के अन्तर्गत अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को अनुसूचित जाति मतदाताओं तक पहुँचने तथा उनसे सम्पर्क साधने की दिशा में सक्रिय एवं प्रेरित-प्रोत्साहित कर रहे हैं।

- **छोटी-छोटी कार्यकर्ताओं की टोलियां बनाकर भाजपा एस.सी. बाहुल्य क्षेत्रों में ''प्रवास'' कार्यक्रम चलाएगी।**
- **जैसा कि विदित ही है कि, प. बंगाल के विधानसभा चुनाव में 50 प्रतिशत एस.सी. वोट भाजपा के पक्ष में पड़ा था तथा यू.पी. में विधानसभा चुनाव में एस.सी. वोटर बसपा का साथ छोड़ कर भाजपा से जुड़ा था।**
- **भाजपा का यह ''टोली'' कार्यक्रम प्र.मंत्री के जन्मदिन, 17 सितम्बर से शुरू होकर 26 नवम्बर (संविधान दिवस) तक चलेगा।**

एस.सी. वोटरों को आकर्षित करने के उद्देश्य से चलाये गये विशाल सम्पर्क अभियान के अन्तर्गत, भाजपा ने एक ''प्रवास'' अभियान शुरू किया है, जिसके अन्तर्गत, पार्टी कार्यकर्ता दलित बस्तियों में जाकर, दलित समुदाय के लिये लाई गई मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं विषय में जागरूकता पैदा करेंगे। यह अभियान प्रधानमंत्री के जन्म दिन, 17 सितम्बर से शुरू होगा तथा संविधान दिवस यानी 26 नवम्बर तथा जारी रहेगा।

प्रसंगवश बता दें कि विपक्षी कांग्रेस यह उम्मीद सँजोये हुये है कि एस.सी. तथा एस.टी. जातियों के बीच पार्टी के पूर्ववर्ती स्वीकार्यता को वापस लाकर अपने भविष्य को पुनर्जीवन प्रदान करेगी।

भाजपा नेताओं ने बताया कि इस अभियान के अन्तर्गत, छोटी-छोटी ''टोलियाँ'' बनाई जायेंगी तथा उन टोलियों को एक फोल्डर दिया जायेगा, जिसमें एस.सी. समुदाय के कल्याण के लिये क्रियान्वित की जा रहीं राज्य तथा केन्द्र की योजना का विस्तृत विवरण होगा। भाजपा के पास इस समय एस.सी. समुदाय के 46 लोकसभा सांसद तथा 7 राज्यसभा सांसद हैं। हाल ही के वर्षो में, इस समुदाय में भाजपा की स्वीकार्यता बढ़ी है, जैसा कि गत वर्ष हुये पश्चिम बंगाल के चुनावों में प्रदर्शित हुआ है। पश्चिम बंगाल विधान सभा चुनावों में 50 प्रतिशत एस.सी.वोट भाजपा को मिले थे। इस साल हुये, उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनावों में, एस.सी. मतदाताओं का काफी बड़ा हिस्सा बसपा से दूर हो गया था तथा उसने भाजपा को वोट दिये थे। जाहिर है, 2024 के संसदीय चुनवों से पहले, पार्टी एस.सी. समुदाय के इस समर्थन को और अधिक व्यापक रूप में लाना चाहती हैं। एस.सी. वर्ग के महापुरूषों के प्रति सम्मान दर्शाने वाले पर्चे तथा पुस्तिकाएं दलित बस्तियों में बाँटी जायेंगी। इसके साथ ही,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'रिज़र्ववेशन कोई गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम नहीं हैं'

आर्थिक रूप से कमजोर सवर्ण व्यक्तियों को शिक्षा, सरकारी नौकरियों आदि में आरक्षण देने पर बहस काफी तेज तर्रार हुई

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 सितम्बर। चीफ जस्टिस ऑफ इण्डिया (सी.जे.आई.) उदय उमेश ललित की अध्यक्षता वाली संविधान बैंच इकोनॉमिकली वीकर सैक्शन्स (ई.डब्ल्यु.एस.) को दिए गए 10 प्रतिशत आरक्षण पर गुरुवार को भी सुनवाई जारी रखेगी क्योंकि वह बुधवार को दूसरे दिन भी इस मुद्दे पर अनिर्णायक स्थिति में रही।

- **इस आरक्षण के विरोध में सलमान खुर्शीद, वरिष्ठ अधिवक्ता विलसन, जो राज्यसभा के सदस्य भी हैं, ने काफी गंभीर व विश्लेषणात्मक पैरवी की।**

सीनियर एडवोकेट पी. विल्सन, जो राज्यसभा सांसद भी हैं, कोर्ट की कार्यवाही समाप्त होने के बाद खड़े हो गए। वह गुरुवार को भी अपना निवेदन जारी रखेंगे। उन्होंने सुनवाई की शुरुआत में विलियम ए को उद्धृत किया ''शेर और बैल के लिए एक जैसा कानून दमन है।'' उन्होंने कहा कि एक ओर तो एस.सी., एस.टी. व ओ.बी.सी. आरक्षण ओर दूसरी ओर ई.डब्ल्यू.एस. आरक्षण के बारे में उन्हें यही कहना है।

सीनियर एडवोकेट सलमान खुर्शीद जिन्होंने पूर्व में जिरह की, तर्क प्रस्तुत किया कि ई.डब्ल्यू.एस. कोटा गठित करने के बजाए आर्थिक कमजोरी के मुद्दे के समाधान के और भी कई तरीके हैं। उन्होंने आरक्षण पर भारतीय नीति को पढ़कर सुनाया और जोर देकर कहा कि आरक्षण भारत में सकारात्मक कार्रवाई का हिस्सा है और ई.डब्ल्यू.एस. कोटे के लिए किया गया 103वां, संशोधन इस मापदण्ड को पूरा नहीं करता।

विल्सन ने तर्क दिया कि ऊंची जातियों को आरक्षण देने के लिए किया गया संशोधन मूल संरचना का उल्लंघन है और सकारात्मक कार्रवाई के विचार का मखौल है क्योंकि यह अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करता है। उन्होंने इस पर भी जोर दिया कि ई.डब्ल्यू.एस. का वर्गीकरण ना तो तर्कसंगत है और ना ही वैध।

उन्होंने कहा कि इसी तरह का एक संशोधन एक अध्यादेश के जरिए वर्ष 2016 में गुजरात में लाया गया था और गुजरात हाई कोर्ट ने इसे रद्द कर दिया था। दयाराम वर्मा द्वारा दायर याचिका का जिक्र करते हुए विल्सन ने कहा कि स्पष्ट है कि आर्थिक मापदण्ड आरक्षण के उद्देश्य के लिए एकमात्र मापदण्ड नहीं हो सकता और महत्वपूर्ण यह है कि आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकता।

विल्सन ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इंदिरा साहनी केस में भी आर्थिक मापदण्ड के आधार पर किसी समूह को चिन्हित करने से इंकार कर दिया था। उन्होंने अशोक कुमार केस में संविधान बैंच के एक निर्णय का भी हवाला दिया, जिसमें बैंच कहती है कि ''क्रीमी लेयर नहीं हटाना और अगड़ी जातियों को शामिल करना समानता का उल्लंघन है।''

यह ध्यान दिलाते हुए कि अनुच्छेद 15(6) में ई.डब्ल्यू.एस. परिभाषित नहीं हैं, उन्होंने कहा कि इसमें यह निर्णय करने का अधिकार पूर्ण रूप से सरकार पर छोड़ दिया गया है कि ई.डब्ल्यू.एस. कौन होंगे और इसका निर्णय समय-समय पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह नागराज के निर्देशित सिद्धांत का तिरस्कार है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आज़ादी का अमृत महोत्सव

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) का कार्डधारकों को अपने कार्ड्स का टोकनाइज़ेशन कराने हेतु प्रोत्साहन

कार्डधारकों के हितों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, आरबीआई ने आदेश दिया है कि 1 अक्तूबर 2022 से कार्ड नेटवर्क्स तथा कार्ड जारीकर्ताओं को छोड़कर, कोई दूसरी इकाइयां कार्ड डेटा जैसे कि कार्ड नंबर, कार्ड की एक्सपायरी की तिथि आदि (कार्ड-ऑन-फाइल या CoF) को स्टोर नहीं कर सकती हैं। साथ ही, यह सुनिश्चित करने के लिए कि कार्डधारकों को कोई असुविधा न हो, आरबीआई ने CoF टोकनाइज़ेशन पेश किया है। टोकनाइज़ेशन इसलिए किया जाता है ताकि कार्डधारक को प्रत्येक ट्रांजेक्शन पर कार्ड के विवरण न भरने पड़ें, साथ ही, मर्चेन्ट कार्ड के विवरण को स्टोर या उनका इस्तेमाल न कर सके, जिसके फलस्वरूप कार्ड के विवरणों के खोने की संभावना तथा उससे जुड़े दुरुपयोग से बचा जा सकता है। टोकन का इस्तेमाल कार्ड ट्रांजेक्शन्स की सुरक्षा और सुविधा को बढ़ाता है तथा यह कार्डधारकों के हित में है।

टोकनाइज़ेशन या कार्ड-ऑन-फाइल (CoF) टोकनाइज़ेशन क्या है?

1. टोकनाइज़ेशन (या CoF टोकनाइज़ेशन) कभी भी अपनी सुविधा के अनुसार किया जा सकता है।
2. टोकनाइज़ेशन डेबिट या क्रेडिट कार्ड के विवरण को एक अनोखे वैकल्पिक कोड, जिसे **''टोकन''** कहते हैं, से बदलने की प्रक्रिया है।
3. टोकनाइज़ेशन केवल ऑनलाइन/ई-कॉमर्स ट्रांजेक्शन्स के लिए विनिर्धारित किया गया है और यह आमने-सामने या पॉइन्ट ऑफ सेल (POS) ट्रांजेक्शन्स के लिए नहीं है।
4. टोकनाइज़ेशन प्रत्येक कार्ड के लिए ऑनलाइन/ई-कॉमर्स मर्चेन्ट के यहां केवल एक बार ही करने की ज़रूरत है। कार्ड विशेष तथा ऑनलाइन/ई-कॉमर्स मर्चेन्ट विशेष के लिए प्रत्येक टोकन अलग होता है। कार्डधारक किसी कार्ड का अनगिनत ऑनलाइन/ ई-कॉमर्स मर्चेन्ट्स के साथ टोकनाइज़ेशन करा सकता है।
5. किसी टोकन का इस्तेमाल उसी मर्चेन्ट को भुगतान करने के लिए किया जा सकता है, जिसके लिए उसे बनाया गया हो, न कि किसी और मर्चेन्ट को भुगतान करने के लिए।
6. एक बार टोकन बनाने के बाद, कार्डधारक को भविष्य के ट्रांजेक्शन्स के लिए टोकन का विवरण एंटर करने या याद रखने की . जरूरत नहीं। टोकनाइज़्ड कार्ड की पहचान के लिए, चेकआउट प्रक्रिया के दौरान कार्ड के अंतिम चार अंकों को डिस्प्ले/प्रदर्शित किया जाएगा।
7. कार्डधारक अपनी इच्छानुसार अपने टोकन्स के रजिस्ट्रेशन को समाप्त भी कर सकते हैं।

किसी कार्ड का टोकनाइज़ेशन कैसे करें?

1. टोकनाइज़ेशन का विकल्प चुनने के लिए कार्डधारक को मर्चेन्ट वेबसाइट एप्लिकेशन पर वन-टाइम रजिस्ट्रेशन करना होगा।
2. रजिस्टर करने के लिए कार्डधारक को अपने कार्ड का विवरण भरना होगा तथा सहमति देनी होगी। कार्ड जारीकर्ता प्रमाणीकरण के अतिरिक्त घटक जैसे कि OTP के ज़रिए इस सहमति को मान्य करेगा।

कार्डधारकों को एक सुरक्षित, संरक्षित, बाधारहित तथा सुविधाजनक अनुभव पाने के लिए अपने कार्ड्स का टोकनाइज़ेशन कराने की सलाह दी जाती है।

इस परामर्शिका (एडवाइज़री) को आरबीआई द्वारा केवल सूचनार्थ तथा सामान्य मार्गदर्शन के लिए जारी किया गया है। किसी स्पष्टीकरण या व्याख्या के लिए, आरबीआई द्वारा जारी संबंधित परिपत्रों तथा अधिसूचनाओं की मदद ली जा सकती है।

डूंगरपुर में एक घंटे तक जमकर बरसे बदरा

पानी से तरबतर हुआ शहर, उमस से मिली राहत

बुधवार दोपहर में झमाझम बारिश के बाद तेज बहाव से बहता पानी व उससे गुजरते वाहन व आमजन।

डूंगरपुर, (निसं)। जिले में पिछले दो दिनों से एक बार फिर मानसून की मेहर हो रही है हालांकि बारिश का यह दौर फसलों के लिए तो विशेष नहीं रहेगा लेकिन अभी भी रीते पडे गेपसागर जलाशय में थोडी बहुत राहत जरूर दे जायेगा। बीते 24 घंटे में जिले में सर्वाधिक बारिश फलोज में 64 एमएम रिकॉर्ड की गई है।

- **सर्वाधिक वर्षा 64 एमएम फलोज में**

जिले में सुबह से आसमान खुला रहा। दिन चढ़ने के साथ ही धूप निकल आई लेकिन दोपहर साढे 12 बजे बाद आसमान में घनघोर काले बादल छा गए । बादलों की गर्जना के साथ बारिश का दौर शुरू हो गया। तेज बारिश से सडकों पर पानी बहने लगा। बारिश की वजह से मौसम भी ठंडा हो गया। इससे पिछले कुछ दिनों से तेज गर्मी और उमस से परेशान लोगों को राहत मिली। डेढ बजे बाद बारिश का दौर थम गया, लेकिन फुहारें चलती रही और आसमान में भी घनघोर काले बादल छाए रहे।

डूंगरपुर कंट्रोल रूम के अनुसार जिले में सुबह 8 बजे तक पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा बारिश फलोज में ढ ाई इंच 64 एमएम रिकॉर्ड की गई है। वहीं, गणेशपुर में 37 एमएम, चिखली में 28 एमएम, वैजा और सीमलवाडा में 25-25 एमएम, कनबा में 3० एमएम,आसपुर में 2० एमएम, साबला में 9 एमएम, देवल, गलियाकोट में 2 एमएम और डूंगरपुर में 1 एमएम बारिश रिकॉर्ड की गई है।

भूंगडा में सर्वाधिक 84 एमएम वर्षा दर्ज

बांसवाड़ा, (निसं)। जिले में वर्षा का दौर जारी है इसके चलते बुधवार प्रात: 8 बजे समाप्त हुए 24 घंटों में घाटोल तहसील क्षेत्र के भूंगडा में सर्वाधिक 84 एमएम वर्षा रिकार्ड की गई।

बाढ़ नियंत्रण से प्राप्त वर्षा मापी आंकडों के मुताबिक कुशलगढ एवं सज्जनगढ में 24-24, गांगडतलाई तहसील क्षेत्र के शेरगढ में 20, घाटोल और गनोडा तहसील क्षेत्र के जगपुरा में 16-16, छोटीसरवन के दानपुर में 15, बांसवाड़ा और गांगडतलाई तहसील क्षेत्र के सल्लोपाट में 14-14, आबापुरा के केसरपुरा में 12, बागीदौरा में 11 तथा गढी तहसील क्षेत्र के लोहारिया में 5 एमएम वर्षा मापी गई।

बयाना में हुई रिमझिम बारिश

बयाना, (निसं.)। बयाना में बुधवार को दूसरे दिन दिनभर रूकरूक कर रिमझिम बारिश की झडी लगी रही। जो दोपहर साढ़े चार बजे बाद एक बार तो अच्छी बारिश के रूप में बदल गई थी। किन्तु यह अच्छी बारिश कुछ पल ही बरस कर रह गई थी। जिससे तेज बारिश की आस लगाए बैठे लोगों को निराशा हुई। इधर मौसम विभाग की ओर से भी 9 सितम्बर से तेज बारिश की चेतावनी दी जा रही थी। जो अब तक निर्मूल साबित हुई है। हालांकि दो दिन से हो रही हलकी फुलकी बारिश से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। लोगों को गर्मी से सुकून मिला।

- **तेज बारिश की आस लगाए बैठे लोग हुए निराश**

अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी व क्लर्क 15 हजार की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर एसीबी की टीम ने एएसपी के नेतृत्व में की कार्रवाई

भरतपुर, (निस)। जयपुर एसीबी की टीम ने एसीबी के एएसपी परमेश्वर लाल के नेतृत्व में कार्रवाई करते हुए अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी गोपाल सिंह कुंतल एवं क्लर्क भुवनेश को 15 हजार की रिश्वत राशि लेते हुए गिरफ्तार कर लिया। गुहाना और खोह स्कूल के मिड डे मील ठेकेदार मोतीराम से अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी ने मिड डे मील के बिल पास करने की एवज में रिश्वत के रूप में 12 प्रतिशत कमीशन की राशि की मांग की थी। जिस पर मोती सिंह ने इसकी शिकायत जयपुर एसीबी में कर दी।

जयपुर एसीबी की टीम ने इस शिकायत का सत्यापन कराया। जिस पर बुधवार को जयपुर एसीबी टीम ने स्टेशन के सामने मिड डे मील कार्यालय में ट्रैप कार्रवाई को अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी गोपाल सिंह कुंतल मार्च 2022 से लगातार रिश्वत ले रहे थे। यहां तक रिश्वत नहीं देने पर बिल पास नहीं करते थे। भरतपुर एसीबी के एएसपी महेश मीणा ने बताया कि पकडे गए आरोपियों के घर पर भरतपुर एसीबी की टीम के द्वारा सर्च कार्यवाही की जा रही है।

एसीबी टीम ने अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी कुंतल व क्लर्क भुवनेश के खिलाफ कार्रवाई की।

गिरफ्तारी रोकने के नाम पर एएसआई ने ली 10 हजार रुपये की रिश्वत

जोधपुर, (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बुधवार को भोपालगढ़ थाने के एएसआई पूनाराम को दस हजार रूपए रिश्वत लिए जाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। जिससे अब पूछताछ की जा रही है। उसने परिवादी से क्रॉस केस के मुकदमे में गिरफ्तार नहीं करने और मदद के नाम पर 14 हजार रूपए डिमाण्ड की थी। चार हजार पहले ही ले लिए थे। सत्यापन में चार हजार रूपए दिए गए थे।

ब्यूरो के एएसपी डॉ. दुर्गसिंह राजपुरोहित ने बताया कि नाडसर भोपालगढ़ के एक परिवादी की तरफ से शिकायत दी गई थी। इसमें बताया कि उसके खिलाफ ओमाराम नाम के एक शख्स ने भोपालगढ थाने में केस दर्ज करवाया था। जिसमें गिरफ्तारी, मुकदमे मदद करने और उसके खुद की तरफ से दी गई रिपोर्ट पर कार्रवाई के एवज में भोपालगढ़ थाने के एएसआई पूनाराम ने 14 हजार रूपए मांगे है। रूपयों के लिए वह परेशान कर रहा है।

ब्यूरो एएसपी राजपुरोहित ने बताया कि शिकायत का सत्यापन मंगलवार को करवाए जाने के साथ चार हजार रूपए एएसआई पूनाराम ने लिए थे। शेष राशि आज देना तय होने पर एसीबी निरीक्षक मनीष वैष्णव आदि के साथ गठित टीम ने एएसआई पूनाराम को परिवादी से दस हजार रूपए और रिश्वत लिए जाने के आरोप में पकड़ लिया।

कीटनाशक का छिड़काव करते समय युवक अचेत, मौत

डाबी, (निसं)। पुलिस थाना क्षेत्र के देवजी का खेड़ा में एक युवक खेत पर फसल के छिड़काव करते समय अचेत हो गया। उपचार के दौरान बीते दिन मंगलवार को मौत हो गई।

डाबी पुलिस थाना प्रभारी धर्मा राम चौधरी ने बताया कि मंगलवार को मनीष पुत्र रामलाल बंजारा उम्र 27 वर्ष निवासी देवजी का खेड़ा ग्राम पंचायत गणेशपुरा खेत पर कीटनाशक दवाई छिड़काव कर रहा था कि उसी समय अचेत हो कर नीचे गिर गया जिसे परिजन लेकर गावँ की सीमा के नजदीकी भीलवाड़ा जिले के बिजौलियां लेकर गए जहाँ से चिकित्सको ने कोटा रेफर कर दिया जिसे कोटा चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया गया।

- **पुलिस ने पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंपा**
- **युवक को भीलवाड़ा के बिजौलिया अस्पताल से चिकित्सकों ने कोटा रैफर किया**

मंगलवार को देर शाम होने के कारण पोस्टमार्टम नही हो पाया किसका बुधवार को पोस्टमार्टम करवा कर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है। पुलिस ने मामला मर्ग में दर्ज कर जांच सुरु कर दी है।

फर्जी एस्कॉर्ट सर्विस चलाकर लड़कियां उपलब्ध कराने वाले दो गिरफ्तार

दो शातिर ठगों को साबला पुलिस ने गिरफ्तार किया

डूंगरपुर, (निसं)। जिले में ऑनलाइन एप के जरिये फर्जी एस्कोट सर्विस चलाकर लड़कियां उपलब्ध कराने का झांसा दे, रूपये ऐठने के संबंध में तथा फर्जी सीम कार्ड व फर्जी डिजिटल एकाउंट उपलब्ध कराने के मामले में पुलिस ने कार्यवाही करते हुए दो शातिर ठगों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

साबला थाना पुलिस द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि पुलिस को 4 सितम्बर की रात्रि को सूचना मिली कि बोडीगामा छोटा में ऑनलाइन वेबसाइट के जरिये लड़कियां उपलब्ध कराने का झांसा देकर भारी मात्रा में रूपया वसूल करने के मामले में पुलिस ने दीपक पुत्र मणीलाल पाटीदार निवासी बोडीगामा छोटा तथा भरत पुत्र अमरजी पाटीदार को पूर्व में गिरफ्तार किया था।

उनसे पूछताछ में यह सामने आया था कि उनके द्वारा जो फर्जी सीम कार्ड व फर्जी डिजिटल वॉलेट पेंमेट एकाउंट उपलब्ध कराने का काम बांसवाडा जिले के लोहारिया थानान्तर्गत आसन्न निवासी अनिल पुत्र अशोक वैष्णव तथा मोयावासा निवासी भरत पुत्र अमरजी मीणा जो कि लड़कों को रूपयों की लालच देकर उनके सीम कार्ड खरीदकर 500 रूपये दें उक्त फर्जी सीम कार्ड से एयरटेल पेंमेट बैक एवं इण्डिया पोस्ट पेमेंट बैक में ऑन लाईन खाता खुलवाकर फर्जी सीम कार्ड के नम्बर लिंक कराकर उक्त फर्जी सीम कार्ड व फर्जी एकाउंट से अभियुक्त अनिल वैष्णव 3000-3000 हजार रूपये में बेच देता था जिसकी पुष्टि होने पर पुलिस ने दोनो आरोपियों अनिल व भरत को गिरफ्तार कर उसने पूछताछ की जा रही है।

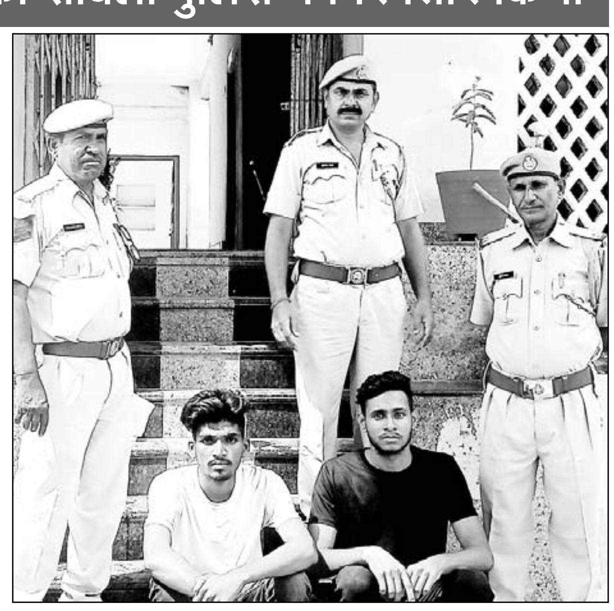

फर्जी एकाउंट के जरिये रूपये ऐंठने के मामले में आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

महिला कांस्टेबल को ट्रक ने कुचला

कोटा, (निसं)। शहर के भीमगंजमंडी थाने में तैनात एक महिला कांस्टेबल की सड़क दुर्घटना में मौत का मामला सामने आया है। कांस्टेबल को एक ट्रक ने कुचल दिया। जिसके चलते उसकी मौत हो गई। यह दुर्घटना नयापुरा थाना इलाके में आर्मी रोड पर हुई है। महिला कांस्टेबल सुषमा की ड्यूटी डाक वितरण करने में लगी हुई थी। सुषमा भीमगंजमंडी थाने से एसपी ऑफिस डाक देकर वापस लौट रही थी। वह एसपी ऑफिस से आधा किलोमीटर दूर पहुंची ही थी कि उसकी स्कूटी को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। करीब 12.30 बजे हुई इस दुर्घटना में ट्रक ने कांस्टेबल को भी कुचल दिया। घटना की सूचना मिलने पर नयापुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को जब्त कर लिया। साथ ही ड्राइवर को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने मृतका सुषमा का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। महिला कांस्टेबल सुषमा शहर के कई थानों में तैनात रही हैं। वह पूनम कॉलोनी इलाके में रहती थी। उनके परिवार में पति यशपाल सहरावत और दो बच्चे भी हैं। बेटी नीतू व बेटा पीयूष दोनों बीएससी बीएड कर रहे हैं। बुधवार को बेटी नीतू का दोपहर में बीएससी बीएड का एग्जाम भी था। जिससे पहले ही यह दुर्घटना की खबर आ गई।

- **महिला कांस्टेबल की मौके पर हुई मौत, ट्रक ड्राइवर को गिरफ्तार किया**

ग्यारहवीं की छात्रा ने कुएं में कूदकर दी जान

एक युवक उसकी नाबालिग बेटी को भगाकर ले गया थाः पिता

डूंगरपुर, (निसं)। बिछीवाड़ा थाना क्षेत्र में एक 15 साल की स्टूडेंट ने कुएं में कूदकर जान दे दी। कुएं में कूदने के लिए भागी छोटी बहन को बचाने के लिए बडी बहन भी उसके पीछे भागी, लेकिन उसे बचा नहीं पाई। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया है। परिजनों ने एक युवक पर उसको आत्महत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया है।

एएसआई ने बताया कि रमेशचंद्र भगोरा निवासी धामोद की बेटी वर्षा भगोरा गांव के ही एक स्कूल में 11 वीं कक्षा में पढती है, ने मंगलवार देर शाम को वह बिना बताए घर से निकली। इस दौरान उसकी बडी बहन अंजली ने उसे रुकने के लिए कहा, लेकिन वह भागने लगी। रास्ते में मवेशी चराने वाली महिलाओं ने भी उसे रोकने की कोशिश की, लेकिन उसने एक कुएं में छलांग लगा दी। छोटी बहन के पीछे-पीछे गई अंजली ने उसको कुएं में कूदते देखा तो वह जोर-जोर से चिल्लाने लगी। अंजली की आवाज सुनकर गांव के लोग दौडकर आए, लेकिन तब तक वर्षा पानी में डूब गई। लोगों ने कडी मशक्कत कर शव को कुएं से बाहर निकाला।

- **वर्षा का मेडिकल टेस्ट करवाने के बाद उसे बालिका गृह में रखा गया था**

मृतका के पिता ने आरोप लगाया कि एक युवक उसकी नाबालिग बेटी को भगाकर ले गया था। रिपोर्ट देने के बाद बिछीवाडा पुलिस ने ही उसको डिटेन किया था और 8 सितंबर को बयान करवाए थे। इसके बाद नाबालिग को मुस्कान संस्थान के बालिका गृह में रखवाया गया था। वर्षा का मेडिकल टेस्ट भी करवाया गया था, जिसे बाद में परिजन घर ले आए थे। अब 2 दिन बाद ही वर्षा ने आत्महत्या कर ली। मामले को लेकर परिजनों ने अब तक थाने में कोई रिपोर्ट नहीं दी।

एक साथ छोड़े गए साठ सेटेलाइट

बीकानेर, (कासं.)। आसमान में देर रात एक चमकती हुई लाइन नजर आई। ऐसा लगा जैसे किसी ट्रेन के डिब्बे कतारबद्ध आसमान की ओर बढ़ रहे हैं। एक के पीछे एक साठ डिब्बों की ये अनूठी रेल बीकानेर के आसमान से निकली तो लोगों ने मोबाइल के वीडियो से कैद कर लिया। माना जा रहा है कि ये सेटेलाइट्स की एक कतार है, जो आसमान में नजर आ रही है।

एक जैसी गति, एक जैसा आकार होने के कारण आसमान में भी रेल की तरह नजर आई। इन सेटेलाइट्स के बीच भले ही कुछ किलोमीटर की दूरी है लेकिन दूर से ये एक-दूसरे से सटे हुए नजर आए। बीकानेर के श्रीडूंगरगढ़ के मोमासर में इसे देखकर बड़ी संख्या में लोगों ने मोबाइल से कैमरे में कैद किया। वहीं बीकानेर शहर और नाल गांव में भी लोगों ने वीडियो बनाने का दावा किया है। ये सेटेलाइट्स धरती से सैकड़ों किलोमीटर दूरी पर है।

ऐसे में धरती के दूसरे छोर पर सूरज की किरणें इन पर पड़ती है। इसी कारण ये रात वाली दुनिया में चमकते हुए नजर आते हैं। ऐसा लगता है कि कोई रेल आसमान में उड़ रही है। बुधवार सुबह भी ये नजारा बीकानेर के आसमान सुबह 7.55 पर नजर आने वाला था लेकिन आज बादलों की ओट होने के कारण ये नजारा सामने नहीं आया। एक मैसेज सुबह वायरल हुआ, जिसके मुताबिक ये दृश्य फिर नजर आने वाला था, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। इसका एक कारण आसमान में बादलवाही हो सकता है।

दो माह में भी वन विभाग नही पकड़ पाया पैंथर

चाकसू, (निसं)। क्षेत्र के टोंक रोड बाईपास के पास ग्राम चौसला स्थित सीए कॉलेज परिसर के बाहर बाजरे के खेतों में काम करने गई महिलाओं को 2 महीने बाद फिर से पैंथर का मूवमेंट नजर आया है। पैंथर नजर आने के बाद महिलाएं दहशत के मारे उलटे पांव घर लौटी और परिवार जनों को सूचना दी। फिर से पेंथर की हलचल से दहशत का माहौल है। लोग अकेले नहीं आ जा कर झुंडों के रूप में निकल रहे हैं।

- **बार-बार दिख रहा है पैंथर का मूवमेंट, ग्रामीणों में दहशत**

पैंथर दिखने की सूचना पर स्थानीय महिला पुरुष, पुलिस और वन विभाग की टीमों ने पहुंच कर तलाश शुरू की लेकिन पैंथर का अभी तक पता नहीं चल सका। टीम एवं ग्रामीणों का मानना है कि सम्भवत: पेंथर झाड़ियों में छिपकर बैठा है। गौरतलब है कि पूर्व में वन विभाग की टीम बकरे के साथ पिंजरा लगा चुकी है लेकिन पैंथर वन विभाग व ग्रामीणों की हलचल से हर बार ओझल हो जाता है। पिछले 2 माह से क्षेत्र के चोसला गांव में पैंथर का किसी ना किसी रूप में मूमेंट दिखाई दे रहा है तब से लेकर आज तक ग्रामीण दहशत के माहौल में है।

किसान व पुलिस की टीम ने पैंथर को बाजरे के खेत में तलाशा।

सीए कॉलेज के प्रोजेक्ट मैनेजर कृष्ण कुमार शर्मा ने बताया कि पैंथर का वीडियो भी है लोगों को दहाड़ भी सुनाई देती है, पगमार्ग भी मिले हैं । संभवत: मादा पैंथर है जिसके दो बच्चे हैं। सूचना पर वन विभाग की जब तक रेस्क्यू टीम नहीं आती है पैंथर पकड़ना मुश्किल लगता है।

नसबंदी के बाद तबीयत बिगड़ने से महिला की मौत

उदयपुर, (कासं)। डबोक कस्बे में स्थित निजी चिकित्सालय में नसबंदी करने के बाद तबीयत बिगड़ने से महिला की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सुहावतो का गुड़ा निवासी जसोदा (22) पत्नी प्रभूलाल भील की नसबंदी ऑपरेशन के बाद तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। गत 7 सितंबर को जसोदा आशा सहयोगिनी के साथ डबोक स्थित सजीवनी चिकित्सालय मे गई ।

जहां ऑपरेशन होने के बाद छुट्टी दे दी थी। 9 सितंबर को तबीयत खराब होने पर नर्स से बातचीत कर दवा ले ली थी उसके बाद भी 13 सितंबर को तबीयत बिगड़ने पर उसे डबोक चिकित्सालय लेकर पहुचे। जहां से रैफर करने पर एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। जहां सांय उसकी मौत हो गई। इसका पता चलने पर परिजनों ने नसबंदी ऑपरेशन मे लापरवाही रहने से जसोदा की मृत्यु होने का आरोपी लगाते हुए कार्यवाही की मांग पर अड़ गए।

सूचना मिलने पर एसआई निर्भयसिंह ने मौके पर पहुंच कर मृतका के पीहर ढीकली से परिजनों को बुलवा कर मृतका का पोस्टमर्टम करवा शव परिजनों को सौपा। इधर डबोक स्थित निजी चिकित्सालय के प्रबंधन द्वारा पीड़िता के परिजनों को दो लाख का मुआवजा देने पर मामला शांत हुआ।

इटावा क्षेत्र में पिछले दो दिन से बारिश का दौर जारी, फसलें तबाह

शाम 4 बजे करीब एक घण्टे तक मूसलाधार बारिश हुई

इटावा, (निसं)। इटावा क्षेत्र में पिछले दो दिन से हो रही बारिश से इटावा क्षेत्र में हर तरफ बर्बादी ही बर्बादी नजर आ रही है। खेतों में फसलें खड़ी है बारिश से एक बार फिर खेत लबालब हो गए हैं। इटावा क्षेत्र में सुबह से ही आसमान में घनघोर बादल छाये हुये थे दिन में 4 बजे करीब एक घण्टे तक मूसलाधार बारिश हुई जिससे सड़कों में एक फिट पानी जमा हो गया। वहीं इस बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ।

- **उड़द की कटाई के लिए तैयार फसल खराब हो गयी**
- **बीमा के नाम पर किसानों के साथ सिर्फ छलावा हो रहा है**

किसानों ने बताया कि क्षेत्र में हालांकि अगस्त माह में हुई लगातार बारिश से फसलें खराब हो गयी थी थोड़ी बहुत आस थी लेकिन अब तो वह भी खत्म हो गयी । इस समय उड़द की फसल तो बिल्कुल सूख कर पक चुकी है कटाई का समय है लेकिन बारिश से थोड़ी बहुत फसल बची है वह भी खराब हो गयी। इसी तरह सोयाबीन की फसलों में लगातार बारिश होने के कारण फलियां नहीं आई जिसके कारण फसल पूरी तरह खराब हो चुकी है।

क्षेत्र में किसानों से हर फसल में बीमा के नाम पर बीमा कम्पनियां ग्राम सेवा सहकारियों व बैंकों के माध्यम से फसल बीमा के नाम पर राशि तो काटती है लेकिन फसल खराब होने के बाद किसानों को टोल फ्री नम्बर पर आवेदन करने सहित कई दावे किये जाते हैं लेकिन होता कुछ नही। बड़े पैमाने पर किसानों से फसल बीमा के नाम पर करोड़ो रूपये कम्पनियां वसूल कर लेती हैं। क्षेत्र में अभी तक पटवारियों द्वारा गिरदावरी में फसल खराबा माना लेकिन बीमा कंपनियों द्वारा अभी तक सर्वे तक नहीं किया गया। ऐसे में बीमा के नाम पर किसानों के साथ सिर्फ छलावा हो रहा है।

इटावा क्षेत्र के एक खेत में पानी में डूबी फसल।

सार-समाचार

दो बदमाशों से अवैध पिस्टल जब्त

उदयपुर, (कासं)। शहर के हिरणमगरी थना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान कार में सवार दो बदमाशों को गिरफ्तार कर इनके कब्जे से एक देशी पिस्टल व कार जब्त की। जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया, पुलिस उप अधीक्षक शिप्रा राजावत के सुपरविजन में हिरणमगरी थानाधिकारी रामसुमेर मीणा के नेतृत्व में गठित दल ने तलाशी अभियान के दौरान बीएसएनएल क्वार्टर के पिछे मनवाखेड़ा झामरकोटड़ा रोड़ से कार को रोक उसमें सवार डागलियों की मगरी सुखेर निवासी लोकेश पुत्र जगदीश डांगी, राजेन्द्र नगर विस्तार औद्योगिर क्षेत्र पाली हॉल वैदेही अपार्टमेंट के पास भुवाण चौराहा के पास रहने वाले जेटापुरी उर्फ जीतु पुत्र करणपुरी गोस्वामी को पूछताछ की। संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर तलाशी ली तो उनके कब्जे से एक देशी पिस्टल व कार जब्त की। पुलिस ने दोनों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपी जेठापुरी उर्फ जीतु के खिलाफ शहर के विभिन्न पुलिस थानो में चार अपराधिक प्रकरण दर्ज होने की जानकारी सामने आई है।

शोरूम से मोबाइल व घड़ी चोरी

उदयपुर, (कासं)। शहर के सूरजपोल थाना क्षेत्र में स्थित रिलाईन्स शॉ रूम से चोर मोबाईल चुरा ले गया। अन्यत्र सुखेर थाना क्षेत्र से स्थित शॉ रूम से घड़ी चुरा ले गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी केअनुसार पीड़ित मेहता भवन पदमिनी मार्ग सुन्दरवास प्रतापनगर हॉल पारस तिरहा पर स्थित रिलाईन्स स्टोर के मैनेजर शरद शर्मा पुत्र चन्द्रकांत शर्मा ने सूरजपोल पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि 11 सितंबर को अज्ञात व्यक्ति शॉरूम पर मोबाईल खरीदने के लिए आया। इस पर उसे डेमों का मोबाईल दिखाया इस दौरान भीड़ में वह मोबाईल लेकर फरार हो गया। दूसरे दिन मोबाईल की गिनती करने पर इसकी जानकारी मिली। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। इसी तरह शहर के सुखेर थाना क्षेत्र सेलीब्रेशन मॉल में स्थित एप्पल स्टोर पर अज्ञात आरोपी 13 सिंतबर के घड़ी खरीदने के लिए आया था। जो चकमा देकर घड़ी लेकर फरार हो गया। इसका पता चलने पर पड़ताल की लेकिन उसका सुराग नही लगा। इस मामले में एप्पल स्टोर कर्मचारी प्रवीण कुमारसिंह पुत्र चन्द्रमोलीसिंह ने पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया।

अवैध शराब से भरा कंटेनर जब्त

उदयपुर, (कासं)। खेरवाड़ा थाना पुलिस ने तस्करी कर ले जाई जा रही अडतीस लाख की अवैध शराब से भरा कंटेनर जब्त कर चालक व खलासी को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा के निर्देश पर चलाए जा रहे तलाशी अभियान के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश सांखला,पुलिस उप अधीक्षक विक्रमसिंह के सुपरविजन में खेरवाडा थानाधिकारी तेजकरण के नेतृत्व में गठित दल ने हाइवे पर नकाबंदी कर कंटेनर को रोक तलाशी ली । जिसमें 38 लाख रूपये मूल्य की अवैध शराब के 185 कर्टन पाए गए। पूछताछ में चालक रीठत थाना पीनगांट नूह हरियाणा निवासी अलीम खां पुत्र नूर मोहम्मद, खलासी अनखीर पलवल हरियाणा निवासी सूफयान पुत्र कय्यूम खान द्वारा संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर पुलिस ने अवैध शराब से भरा कंटेनर जब्त कर दोनों को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज किया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

पुलिस बस की टक्कर से दंपती घायल

उदयपुर, (कासं)। शहर के भुपालपुरा थाना क्षेत्र में सड़क पार कर रहे दंपत्ति को पुलिस बस ने चपेट में ले लिया। जिससे दोनों घायल हो गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को शहर के भुपालपुरा बंशीपान वाले के समीप सड़क पार कर रहे करावली डोडावली उबेश्वर निवासी तखत उर्फ तख्ता व उसकी पत्नी ललूडी को पुलिस की बस से चपेट में ले लिया। हादसे में गंभीर घायल होने पर पुलिस के जवानों ने ही उन्हें उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करावाया। तखत अपने पत्नी को लेकर न्यायालय में पेशी पर हाजिर होने के लिए सड़क पार कर जा रहा था। इस दौरान हादसा हो गया। इसको लेकर पुलिस थाने में कोई मामला दर्ज नहीं है।

एजेंट व साथी कर्मचारी ने नकदी हड़पी

उदयपुर, (कासं)। सलूम्बर थाना पुलिस ने फाइनेन्स कंपनी एजेंट व साथी के खिलाफ ग्राहकों से वसूल की गई नकदी कंपनी मे जमा नहीं करवा हड़पने का मामला दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित शाडोर जिला अशोक नगर एमपी हॉल बीएसएनएल के सामने डाल चौराहा सलूम्बर स्थित फ्यूजन माइक्रो फाईनेन्स लि. सलूम्बर के मैनेजर दिनेश कुमार पुत्र मालमसिंह ने कंपनी एजेंट आगोरिया बागीदोरा बारा बांसवाड़ा निवासी महेन्द्र भगोरा पुत्र बाबूलाल तथा उसके साथी ललित के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। कि आरोपी काम करते हुए स्वयं सहायता समूह से नकदी वसूल कर कंपनी में जमा करवाते है।1सितंबर2022 को आरोपी ग्राहको से1लाख 10 हजर 983 रूपये वसूल कर लिए कंपनी में जमा नहीं करवाए। इस संबंध में पडताल की तो अरोपी के लापता होने की जानकारी सामने आई। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

युवती व परिजनों ने नकदी हड़पी

उदयपुर, (कासं)। शादी का झांसा देकर पीडित से लाखों की नकदी वसूल कर भागी युवती व परिजनों के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित झाडोल हॉल प्रताप कॉलोनी पहाड़ा निवासी तरूण पुत्र रंगलाल जैन ने पंकज जैन, निशा, निकिता, कमल व अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया कि वर्ष 2020 में अरोपी इन्दौर निवासी निकिता भाल के साथ शादी हुई थी। उसके बाद से आरोपी व परिजन शादी करने के एवज में मुझसे किश्तों में 8 लाख रूपये वसूल कर चुके है। 20 दिन पूर्व आरोपी बिना बताए घर से चली गई। इस संबंध में पड़ताल की तौ आरोपी निशा के देवर नवीन के साथ भागने की जानकारी सामने आई है। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

गीतांजलि में प्रतियोगिता का आयोजन

उदयपुर, (कासं)। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल ने पोषण माह की थीम पर सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा तीसरी क्षेत्रीय इंटरकॉलेज अंडरग्रेजुएट क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में उदयपुर और जीएमसी डूंगरपुर और भीलवाडा के सभी छह मेडिकल कॉलेजों की टीमों ने भाग लिया। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज के छात्र राहुल सोनी और प्राची कलाल ने क्विज जीता।

खेलों के जरिए बन रहा आपसी समन्वय का माहौल : गहलोत

■ गोगुन्दा में 26 करोड़ रूपए के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास

उदयपुर के गोगुन्दा (सूरण गांव) में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विभिन्न विकास कार्यो का लोकार्पण भी किया।

उदयपुर, (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को प्रतापगढ़ एवं उदयपुर के गोगुन्दा (सूरण गांव) में ब्लॉक स्तरीय राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने दोनों ही जगहों पर विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने मैदान में खिलाड़ियों से मुलाकात की।

इस दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेलों में उम्र का कोई बंधन नहीं रखा गया। मैदान में हर वर्ग और बुजुर्ग से लेकर युवा खिलाड़ी एक साथ बिना किसी भेदभाव के हिस्सा ले रहे हैं। इससे गांवों में आपसी मेलजोल और भाईचारे का माहौल बना है।गहलोत ने कहा कि राजीव गांधी के नाम से यह ओलंपिक खेल, देश ही नहीं दुनिया में एक नई और अनूठी पहल है। जल्द ही शहरों में भी बड़े स्तर पर खेल आयोजन होंगे। उन्होंने कहा कि राजस्थान में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है और हम ग्रामीण ओलंपिक खेलों के माध्यम से इन प्रतिभाओं को आगे लाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि खेल स्टेडियम के साथ-साथ खेल छात्रावास बनाने की दिशा में विचार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार प्रदेश में वर्षा अच्छी हुई, जिससे रबी की फसल का रकबा भी बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 8 लाख किसानों के बिजली बिल शून्य हो गए हैं। इससे उन्हें आर्थिक संबल मिला है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सुरक्षा सरकार का ध्येय है। इसी के तहत प्रदेश में एक करोड़ बुजुर्गों को सामाजिक सुरक्षा के तहत पेंशन दी जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में शिक्षा के लिए 3 साल में 211 महाविद्यालय खोले हैं, जिनमें 90 कन्या महाविद्यालय है। साथ ही, जिस विद्यालय में 500 बालिकाएं अध्ययनरत हैं, वहां महाविद्यालय शुरू किया जाएगा। वहीं प्रतापगढ़ में हुए समारोह में विधायक रामलाल मीणा ने कहा कि ग्रामीण ओलंपिक खेलों का ऐतिहासिक आयोजन हो रहा है। इससे गांवों में खेलों का माहौल बना है। हम सभी मिलकर इस माहौल को आगे भी जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में क्षेत्र के विकास में कोई कमी नहीं रखी जा रही है। इस अवसर पर सहकारिता मंत्री उदयलाल आंजना, जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री अर्जुन सिंह बामणिया, जिला प्रमुख श्रीमती इंदिरा देवी मीणा, धरियावद विधायक नगराज मीणा, पूर्व संसदीय सचिव नानालाल, गोगुन्दा में प्रभारी मंत्री रामलाल जाट, वल्लभनगर विधायक श्रीमती प्रीति शक्तावत, पूर्व मंत्री मांगीलाल गरासिया, पूर्व सांसद रघुवीर मीणा, पूर्व विधायक सज्जन कटारा सहित जनप्रतिनिधि व अधिकारी मौजूद रहे।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, आधारभूत ढांचा विकास सहित समस्त क्षेत्रों में कार्य कर रही है।

हिंदुस्तान जिंक ने क्वालिटी कॉन्सेप्ट पर आयोजित कन्वेंशन में जीते पुरस्कार

हिंदुस्तान जिंक ने क्वालिटी कॉन्सेप्ट पर आयोजित 21वें कन्वेंशन में श्रेष्ठ पुरस्कार हासिल किये।

उदयपुर, (कासं)। वेदांता समूह की कंपनी एवं जिंक, लेड और सिल्वर की देश की सबसे बडी और एकमात्र एकीकृत उत्पादक कंपनी हिंदुस्तान जिंक, ने क्वालिटी कॉन्सेप्ट पर आयोजित 21वें कन्वेंशन में श्रेष्ठ पुरस्कार हासिल किये। हिंदुस्तान जिंक ने एलाइड कॉन्सेप्ट, 5 एस केस स्टडी और क्वालिटी सर्कल श्रेणियों के तहत 26 पुरस्कार जीते। कार्यक्रम का आयोजन क्वालिटी सर्कल फोरम ऑफ इंडिया, राजसमंद चैप्टर द्वारा को किया गया जिसकी थीम इंटीग्रेटेड क्वालिटी कॉन्सेप्ट्स - द गेटवे टू ग्लोबल लीडरशिप थी।

सम्मेलन में 10 से अधिक संगठनों की 85 टीमों प्रतिभागीता की। इसमें उद्योग के महत्वपूर्ण हितधारक थे जिन्होंने उद्योगों, सेवा क्षेत्र, शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण क्षेत्रों, समाज आदि में शिक्षा, प्रशिक्षण, प्रचार और गुणवत्ता अवधारणाओं के कार्यान्वयन के बारे में विचार साझा किये। हिंदुस्तान जिंक ने 21 स्वर्ण और 5 रजत पुरस्कार जीत उपलब्धि हासिल की। रामपुरा अगुचा माइन ने एलाइड कॉन्सेप्ट में 2 गोल्ड अवार्ड, 2 गोल्ड अवार्ड और क्वालिटी सर्कल में 1 सिल्वर अवार्ड जीता।

दरीबा स्मेल्टर कॉम्प्लेक्स ने एलाइड कॉन्सेप्ट्स में 4 गोल्ड अवार्ड और क्वालिटी सर्कल में 2 गोल्ड अवार्ड जीते। सिंदेसर खुर्द माइन ने एलाइड कॉन्सेप्ट में 2 गोल्ड अवार्ड और 1 सिल्वर अवार्ड और क्वालिटी सर्कल में 1 गोल्ड अवार्ड और 1 सिल्वर अवार्ड जीता। जिंक स्मेल्टर देबारी ने एलाइड कॉन्सेप्ट में 2 गोल्ड अवार्ड, 5 केस स्टडी में 1 गोल्ड अवार्ड और क्वालिटी कॉन्सेप्ट में 1 गोल्ड अवार्ड और 1 सिल्वर अवार्ड जीता।हिंदुस्तान जिंक द्वारा प्राप्त की गयी यह गौरवान्वित उपलब्धि उन सभी कर्मचारियों के सहयोगात्मक प्रयास को दर्शाती है जो व्यावसायिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, सुरक्षा उपायों को मजबूत और अधिक सस्टेनेबल भविष्य की दिशा में कार्य कर रहे हैं।

मारपीट कर युवक की हत्या करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। मारपीट कर श्रमिक की हत्या कर सबूत नष्ट करने के लिए लाश को अन्यत्र रखने की वारदात का प्रतापनगर थाना पुलिस ने खुलासा करते हुए इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया तथा विधि से संघर्षरत एक बालक को डिटेन किया।

प्रकरण के अनुसार 12 सितंबर को आपणी ढाणी निवासी हिरालाल पुत्र श्यामलाल गमेती ने प्रताप नगर पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि मेरा बड़ा भाई उदयलाल (40) शैटिंग का काम करता है एवं मै भी उसके साथ कभी कबार शौटिंग का काम करता हूं। दो दिन पूर्व वह घर से काम पर जाने के लिए निकला था वापस नहीं लौटा।

रविवार को उसका शव एफ ब्लॉक में पड़ा मिला था। जिसके शरीर पर चोट के निशान पाए गए थे। जिसे चिकित्सालय पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस मामले में पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की। प्रारंभिक अनुसंधान में उदयलाल के साथ मारपीट कर हत्या करने के बाद सबूत नष्ट करने की नियत से लाश को अन्यत्र रखने की जानकारी सामने आई।

इस पर जिला पुलिस अधीक्षक विकास शर्मा के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया, पुलिस उप अधीक्षक शिप्रा राजावत के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाप्रभारी एसआई मांगीलाल के नेतृत्व में मय टीम ने मौके से मिले साक्ष्यों, पीड़ितों से की गई पूछताछ के मुखबीर से मिली जानकारी के अनुसार हत्या के आरोपी रेबारियों का गुड़ा निवासी इन्द्रलाल गमेती पुत्र वैणीराम गमेती, मेहरों का गुड़ा सुखेर हॉल न्यू आरटीओं के पास प्रतापनगर निवसी दिनेश पुत्र जालम गमेती, मानगढ होटल के पास रेबारियों का गुड़ा निवासी चुन्नीलाल पुत्र घीसुलाल गमेती को गिरफ्तार किया। तथा विधि से संघर्षरत एक बालक को डिटेन किया।

पूछताछ में पता चला कि आरोपी इन्द्रलाल भी शैंटिंग काम का ठेकेदार होकर उसकी शक्तिनगर में साईड चल रही है। जहां से गत दिनों शेटिंग प्लेटे चोरी होने पर शंका के आधार पर वह उदयलाल को प्रतापनगर चौराहा से अपने घर ले जाकर बंधक बना मारपीट करने से व गला दबाने से उसकी मौत हो गई। जहां से अन्य सहयोगियों के साथ मृतक उदयलाल की लाश को बाइक पर रख कर एफ कॉलोनी में डाल कर चले जाने की बात स्वीकार की है। मामले का खुलास करने में कांस्टेबल हरिकिशन व अचलाराम की विशेष भूमिका रही।

ऑनलाइन नकदी हड़पी

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ पीड़ित से ऑनलाईन नकदी हड़पने का मामला दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित ढीकली रोड मीरा नगर निवासी गोपाल सिंह पुत्र चतरसिंह चुण्डावत की रिपोर्ट पर प्रतापनगर थाना पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। जिसमें पीड़ित ने बताया कि 4 सितंबर को मोबाईल पर फोन कर टाटा प्ले स्टोर से 100 रूपये का रिचार्ज करने को कहा। इस पर मैने डेबिट कार्ड से 100 रूपये का रिचार्ज किया तो इसी दौरान 100 रूपये के अलावा 47 हजार रूपये निकाले जाने का मेसेज मिला। इस पर धोखाधड़ी का अहसास होने पर पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया।

हिन्दी दिवस मनाया

उदयपुर, (कासं)। भूपाल नोबल्स उच्च माध्यमिक विद्यालय में भूपाल नोबल्स संस्थान के शताब्दी महोत्सव की श्रृंखला के तहत हिन्दी दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य वीरेन्द्र सिंह चुण्डावत ने की। हिन्दी दिवस के तहत प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, हिन्दी निबन्ध लेखन, भाशण एवं कविता प्रतियोगिता के आयोजन हुए। विद्यार्थियों ने मातृ भाषा दिवस के कार्यक्रमों में उत्साह से भाग लिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कहा कि हमारी मातृ भाशा हिन्दी एक समृद्ध भाशा है। मातृ भाशा की उन्नति एवं प्रकृति से ही समाज व राष्ट्र की उन्नति व प्रकृति निरन्तर संभव होती है। हमें हमारी मातृ भूमि और मातृ भाशा पर गर्व होना चाहिए। विद्यार्थियों ने हिन्दी कवियों, कवयित्री एवं कहानीकार रामधारी सिंह दिनकर, सुभद्रा कुमारी चौहान, महादेवी वर्मा, हरिवंशराय बच्चन, मुंशी प्रेमचंद, जयषंकर प्रसाद आदि की रचनाओं को सुन्दर रूप से प्रस्तुत किया।

आदिवासी समाज के बालक बालिकाओं की समस्याओं पर कार्यशाला

उदयपुर, (कासं)। जिले के सुदुर ग्रामीण क्षैत्रो में आदिवासी समाज के बालक बालिकाओं से बाल मजदूरी करवाने, बाल तस्करी व बाल शोषण का प्रचलन ज्यादा पनप रहा है।

राजस्थान आदिवासी महासभा द्वारा इस समस्या पर परिचर्चा कर निवारण के लिये समाज के सामाजिक संगठनो की कार्यशाला सेक्टर 14 स्थित संस्था के सामुदायिक भवन पर 18 सितम्बर को रखी गई है।

जिसमें बाल मजदुरी व बाल शोषण रोकने के उपाय, बाल तस्करी व लडकियों की खरीद फरोख्त रोकने हेतु प्रशासन स्तर पर सख्त कार्यवाही अमल में लाई जाना, बाल तस्करी व लडकियों की खरीद फरोख्त में लिप्त व्यक्ति या परिवार (दलाल) का सदस्य हो कानूनी कार्यवाही के साथ सामाजिक दण्ड की व्यवस्था 4) प्रशासन व सामाजिक संगठनो के मध्य सामाजिक सामजस्य बिठा कर अभियान को मुहिम देना शामिल है। कार्यशाला में जिला कलक्टर ताराचंद जी मीणा भी सम्बोधित करेगें ।

गवरी नृत्य ने दर्शकों का मन मोहा

■ आज थूर गांव की गवरी का दल लोक कला मण्डल में प्रस्तुति देगा

कलाकारों ने गवरी नृत्य किया।

उदयपुर, (कासं)। भारतीय लोक कला मण्डल, उदयपुर। अपनी स्थापना से ही लोक कलाओं के प्रचार - प्रसार के साथ ही लोक कलाओं को आमजन तक पहुचॉने के उद्धेश्य से कार्यरत है। और इसी उद्धेश्य के तहत संस्था में आमजन हेतु आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान में मेवाड़ अंचल का प्रसिद्ध गवरी नृत्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है जिसके तहत 14 सितम्बर को मजावद, गोगुन्दा की गवरी के दल ने अपनी प्रस्तुतियों से स्थानिय दर्शकों एवं सैलानियों का मन मोह लिया।

निदेशक डॉ. लईक हुसैन ने बताया कि अंचल के भील जनजाति समाज द्वारा अपनी बहनों, बेटियों कि समृद्धि, शान्ती तथा पशुधन की सम्पन्नता की कामना को दृष्टिगत् रखते हुए राखी के दूसरे दिन से लगभग 40 दिन तक माँ गौरी की आराधना में गवरी नृत्य नाट्य का पारम्परिक आयोजन किया जाता है। जिसमें गवरी के कलाकार प्रण लेते हैं कि वो 40 दिन तक मांस, मदीरा एवं हरी सब्जियों का उपयोग नहीं करेगें और माँ गौरी से प्रार्थना करेंगे की उनकी बहने, बेटियाँ और उनका परिवार उनका पशुधन खुशहाल रहें। नाटिका में भोमला, भियावड, बादशाहा की सवारी, बंजारा-बंजारी आदि पात्रों को मंचित किया गया। इस अवसर पर भगवान कच्छावा एवं दिनेश उपाध्याय ने दर्शकों को गवरी के विभिन्न पात्रों के बारे में भी समझाया।आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर के निदेशक एम.एल. चौहान ने बताया कि गवरी समारोह में 15 सितम्बर को थूर गाँव की गवरी का दल लोक कला मण्डल में अपनी प्रस्तुति देगा।

प्रभारी मंत्री ने लंपी बीमारी के संबंध में जानकारी ली

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर जिले के प्रभारी मंत्री रामलाल जाट, बंजर भूमि एवं चारागाह विकास बोर्ड राजस्थान के चेयरमैन संदीप चौधरी एवं जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा ने बलीचा स्थित न्यू कृषि उपज मंडी में लम्पी स्किन बीमारी से ग्रसित गायों की हो रही देखरेख का जायजा लिया व चिकित्सा अधिकारियों से बात की।

उन्होंने जिले में लंपी रोग पीडित गोवंश और उनको दिए जा रहे उपचार व दवाओं के बारे में जानकारी लेकर अधिकारियों को लंपी रोग पीडित ग़ोवंश को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने और इसकी रोकथाम के लिए अधिकाधिक स्थानों पर आइसोलेशन सेंटर स्थापित करने के निर्देश दिए। इस मौके पर उन्होंने आइसोलेशन सेंटर में पीडित गायों को आयुर्वेदिक औषधीय लड्डू भी खिलाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा लंपी रोग से बचाव के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं और जल्द ही इस बीमारी को काबू में कर लिया जाएगा।

सार-समाचार

विद्यार्थियो को शपथ दिलवाई

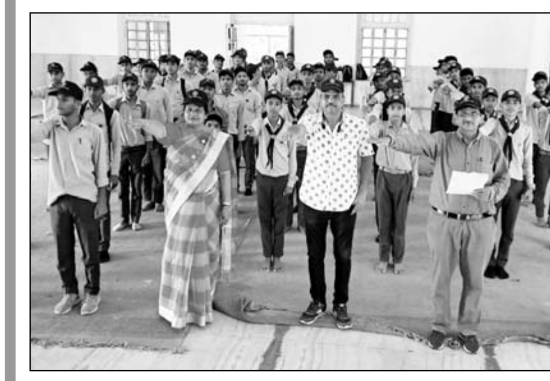

उदयपुर, (कासं)। राजकीय फतह उच्च माध्यमिक विद्यालय सभागार में राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों को शपथ दिलवाई गई। सेवा योजना प्रभारी सुधा कोठारी ने बताया कि इस अवसर पर प्रधानाचार्य चेतन पानेरी, एकीकृत के प्रदेश मीडिया प्रभारी राव गोपाल सिंह आसोलिया, समीर चतुर्वेदी, सुनील पंड्या, हरीश वैष्णव तथा समस्त राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया।

मुख्यमंत्री को दिया ज्ञापन

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान नर्सेज एसोसिएशन ,उदयपुर शहर के जिला अध्यक्ष पवन कुमार दानाध्यक्ष के नेतृत्व में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व उदयपुर प्रभारी मंत्री रामलाल जाट को नर्सेज की समस्या बारे में ज्ञापन दिया। मीडिया प्रभारी नरेश पूर्बिया ने बताया कि मुख्यमंत्री को ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया कि आरएनटी मेडिकल कॉलेज, उदयपुर से स्थानांतरण करवा कर गए नर्सेज की वजह से रिक्त हुए पदों को शीघ्र भरा जाए। अस्पताल में कई नए वार्ड खुलने से नर्सेज की कमी है ,जिसे यूटीबी के माध्यम से भर्ती किया जाए और उनका वेतन 26500 रुपए किया जाए । पूर्व में हटाए गए 11 नर्सेज को इसमें वरीयता देते हुए पुनः नियुक्ति दी जाएं। पिछले लंबे समय से नर्सेज की पदोन्नति नहीं हुई है । शीघ्रता से पदोन्नति प्रक्रिया पूरी कर नर्सेज की पदोन्नत लिस्ट जारी करने की मांग की । समय पर पदोन्नति नहीं होने से सिनियर नर्सिंग ऑफिसर पद से ही सेवानिवृत्त हो जाते हैं। नर्सिंग अधीक्षक, सीनियर नर्सिंग ऑफिसर, नर्सिंग ट्यूटर को राजपत्रित अधिकारी का दर्जा दिया जाए। कोरोना काल में नर्सेज को प्रोत्साहन राशि अभी तक नहीं मिल पाई है। इसे शीघ्रता शीघ्र दिलाने की मांग की गई । नर्सेज के लिए अलग से जयपुर में निदेशालय बनाया जाए। निदेशालय में नर्सेज को वरीयता के आधार पर नियुक्ति दी जाए। ज्ञापन देने में उदयपुर जिला अध्यक्ष पवन कुमार दानाध्यक्ष, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष रमेश मीणा, प्रदेश सचिव लालचंद एचरा, प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष परमार, लक्ष्मी नारायण चौहान सहित कई नर्सेज नेता उपस्थित थे।

ज्ञापन दिया

उदयपुर, (कासं)। अखिल राजस्थान संयुक्त कर्मचारी महासंघ एकीकृत के राज्यव्यापी आव्हान के तहत राजस्थान की समस्त जिला मुख्यालय पर जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार को कर्मचारियों की लंबित मांगों के संबंध में 15 सूत्रीय ज्ञापन भेजा गया। मीडिया प्रभारी राव गोपाल सिंह आसोलिया ने बताया कि मुख्य मांगों में सातवें वेतन आयोग की वेतन विसंगतियां दूर करने शिक्षा ,चिकित्सा के कार्मिकों को गैर विभागीय कार्य से मुक्त रखना, राज्य कर्मचारियों को 9 ,18, 27 की जगह 7, 14, 21, 28 वर्षीय चयनित वेतनमान स्वीकृत किया जावे।

वादपदों के स्थिरिकरण के लिए प्रतिवादी को सम्मन

(आदेश 5 नियम 1व5 व्यवहार प्रकिया संहिता)
न्यायालय वाणिज्यिक न्यायालय उदयपुर
श्री यूनियन बैंक ऑफ इण्डिया
बनाम
श्री न्यू ट्री वैंचर प्रतिवादी
प्रेषित वाद संख्या 68/2020 CO

श्री न्यू ट्री वैंचर प्रा.लि.जरिए डाइरेक्टर मृत्युजंय पिता रामसुख जी यादव एस-439-40, मादडी इंडस्ट्रीयल एरिया उदयपुर या 119 श्याम विहार न्यू आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, उदयपुर (राज.)

चूंकि वादी ने आपके विरूद्व वसूली के लिए एक वाद संस्थिति किया है अत: आपको एतद् द्वारा आहुत किया जाता है कि आप या तो स्वयम् ऐसे या अधिवक्ता जो कि सम्यकरूपेण अनुदिष्ट हो व वाद सम्बन्धी सर्व सारवान प्रश्नों के उत्तर देने में समर्थ हो या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो कि ऐसे सब प्रशनों केउत्तर देने में समर्थ हो के द्वारा दिनांक 20.9.22 के दिवस को 10.30 AM बजे दावे का उत्तर देने हेतु इस न्यायालय में उपस्थित हो और आगे आपको एतद् द्वारा यह भी निर्देश दिया जाता है कि उस दिन आप अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन पेश करें और उसी दिन वे सब प्रलेख जो आपके अधिपत्य या अधिकार में हो व जिन पर आप अपना प्रतिरक्षा या प्रतिपादन या प्रतिदावा आधारित करते हो, भी प्रस्तुत करें तथा जहां आप किसी अन्य प्रलेख जो आपके अधिपत्य या अधिकार में हो या न हो पर अपनी प्रतिरक्षा या प्रतिपादन या प्रतिदावा के समर्थ में साक्ष्य के रूप में भरोसा रखते हो, उन प्रलेखों को अपने लिखित कथन के साथ उपाबद्व की जाने वाली सूची में प्रविष्ट सूचित रहे कि पूर्णवर्णित दिवस को आपके द्वारा अपनी उपस्थिति में व्यक्तिक्रम होने पर कथित वाद आपकी अनुपस्थिति में सुना व अवधारित किया जावेगा।

आज दिनांक 2.8.22 को मेरे हस्ताक्षरव न्यायालय की मुद्रा के अधीन जारी किया गया।

न्यायाधीश, वाणिज्यिक न्यायालय, उदयपुर

AGM Notice of Agriculture Regeneration Multi State Cooperative Society Ltd.

Notice is hereby given that Annual General Body meeting of Agriculture Regeneration Multi State Cooperative Society Ltd, (MSCS/CR/1250/2015) will be held at 11:00 am as on 30/09/2022 at its registered office 2/410, Nawabganj, Near Sabji Mandi, Kanpur, Uttar Pradesh 208002 to transact the following business :-

1) To read out and to confirm the proceeding of previous Annual General Meeting.
2) To approve the annual report, balance sheet and profit & loss account for the year 2021-2022 and to confirm it.
3) To sanction the appropriation of profit as recommended by the Board of Directors for the year ended 31.03.2022.
4) To sanction the Expenditure, More or less than the budget 2021-2022 and approve the budget for the year 2022-2023.
5) To read and take note of the audit report for the Year 2021-22
6) To Appoint the Statutory Auditor for the year 2022-2023 and to determine his remuneration.
7) To open New Branches of the Society.
8) To approve amendment to the bye-Laws of the society (Extension of area of operation)
9) To consider any other subject with the permission of the chairman.

Sd/- Chairman
Agriculture Regeneration Multi State Cooperative Society Ltd.

प्रारूप-10 (नियम-6 (7) देखिए)

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी(अधिशाषी अधिकारी) नगर पालिका मण्डल, बड़ीसादड़ी जिला चित्तौड़गढ़ (राज.)

क्रमांक/न.पा.ब./भू.रू./2022-23/529 दिनांक:14.09.2022

-: लोक सूचना :-

श्री वक्ता सिंह पिता प्रथा मीणा निवासी पुलामंगरा-लक्ष्मीपुरा ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर -कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

जिले सहित तहसील का नाम	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	क्षेत्रफल
तहसील बड़ीसादड़ी जिला-चित्तौड़गढ़	बड़ीसादड़ी	219	रकबा 0.2600 हैक्टयर में से 20151 वर्गफिट

इसके लिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनार्थ के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिवस के भीतर-भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक 14.9.2022 को जारी की गयी।

(प्राधिकृत अधिकारी)
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बड़ीसादड़ी

सार-समाचार

पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित

डूंगरपुर, (निसं)। हिन्दी दिवस पर गलंदरपाल विद्यालय में मन की उडान संस्थान, डूंगरपुर द्वारा कविता, भाषण, स्लोगन और पोस्टर पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यालय के छात्र छात्राओं ने बडे उत्साह से प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपने हुनर का परिचय दिया। इस अवसर पर संस्था प्रधान व समस्त विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम के अध्यक्ष नवीनलाल जैन, विशिष्ट अतिथि नरेंद्र मीणा और मुख्य अतिथि कामना चौबीसा थे। कार्यक्रम का संचालन व आभार नानालाल डामोर ने ज्ञापित किया।

संभागीय आयुक्त व कलेक्टर ने सांवलिया सेठ के दर्शन किए

मंडफिया, (निसं)। संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट एवं चित्तौड़गढ़ जिला कलेक्टर अरविंद कुमार पोसवाल ने भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दर्शन किए। मंदिर पुजारी ने आयुक्त भट्ट एवं कलेक्टर पोसवाल को तुलसी एवं चरणामृत प्रदान किया। इस मौके पर मंदिर मंडल की ओर से मंदिर बोर्ड अध्यक्ष भेरू लाल गुर्जर एवं मंदिर बोर्ड सदस्य भेरूलाल सोनी ने उपरना, प्रसाद एवं भगवान की तस्वीर भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया। इस मौके पर भदेसर उपखंड अधिकारी अंजू शर्मा, तहसीलदार गुणवंत माली, मंदिर के प्रशासनिक अधिकारी कैलाश चंद्र दाधीच, कांग्रेस युवा नेता सुरेश चंद्र गुर्जर आदि उपस्थित थे। दर्शन पश्चात संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट ने मंदिर कार्यालय में मंदिर बोर्ड अध्यक्ष गुर्जर से मंदिर इतिहास एवं चल रहे निर्माण कार्यों की जानकारी ली। बताया गया कि संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट के पास अभी देवस्थान आयुक्त उदयपुर का भी अतिरिक्त पदभार है।

शिवानी चौबीसा को सम्मानित

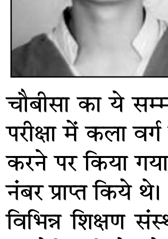

भीण्डर, (निसं)। भीण्डर के महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल की छात्रा शिवानी चौबीसा का बुधवार को हिन्दी दिवस के अवसर पर जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सम्मान किया गया। भाषा एवं पुस्तकालय विभाग के तत्वावधान में आयोजित हुए कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भीण्डर की छात्रा शिवानी चौबीसा को प्रमाण पत्र देकर सम्मान किया। शिवानी चौबीसा का ये सम्मान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की 12 वीं कक्षा की परीक्षा में कला वर्ग में हिन्दी विषय में प्रदेश में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने पर किया गया। शिवानी ने हिन्दी साहित्य में 100 में से 100 नंबर प्राप्त किये थे। वहीं हिन्दी दिवस के अवसर पर भीण्डर क्षेत्र के विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में भी हिन्दी दिवस पर विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये। भीण्डर के द्रोणाचार्य पीजी महाविद्यालय में भी हिन्दी दिवस मनाया गया। द्रोणाचार्य पीजी कॉलेज में हिंदी दिवस पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता का शीर्षक था हिंदी भाषा का महत्व। जिसमें कॉलेज के विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने अपनी मातृ –भाषा का बहुत ही सुंदर शब्दों में महत्व बताया। कॉलेज कोडिनेटर चक्रवीर सिंह शक्तावत ने विद्यार्थियों को हिंदी भाषा पर गर्व करने व निबंध लिखने के लिए प्रोत्साहित किया। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर निशा भोई, द्वितीय स्थान पर ममता सालवी एवं तृतीय स्थान पर सूफिया अख्तर रही। प्रतियोगिता में प्राचार्य डॉ. अभिलाषा दाधीच, व्याख्याता डॉ. रितु बैरागी, दीपिका परमार, कृष्णकांत सोलंकी एवं राणाराम देवासी के नेतृत्व में हुई।

क्रमोन्नत विद्यालय का लोकार्पण

भीम, (निसं)। स्थानीय विधायक बुधवार को अपने विधानसभा क्षैत्र के दौरे पर रहे। विधायक सुदर्शन सिंह रावत ने बुधवार को कुकडा में नव क्रमोन्नत राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय का लोकार्पण किया। इस दौरान ठाामीणों ने विधायक रावत का आभार व्यक्त किया। इस दौरान विधायक रावत ने कहा कि प्रदेश की गहलोत सरकार गरीब परिवार की बेटियों को नि:शुल्क गुणवतापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है। रावत ने कहा कि प्रदेश की गहलोत सरकार ने समूचे प्रदेश में बेटियों की स्कूली शिक्षा फीस मुक्त की है। वहीं घरेलू महिलाएं भी अपनी शिक्षा पूर्ण करे। इसके लिए गहलोत सरकार ने राजस्थान स्टेट ओपन की दसवीं एवं बारहवीं की फीस से मुक्त कर दिया है। बेटियों की राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल की फीस का पुर्नभरण राज्य सरकार कर रही है। अब प्रदेश की बेटियों व महिलाओं की स्नातक अधिस्नातक डिग्री व डिप्लोमा एवं सर्टिफिकेट कोर्स जो वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय में संचालित है। उनमें भी फीस का पुर्नभरण राज्य सरकार द्वारा किये जाने की पॉलिसी तैयार की जा रही है। इस दौरान विधायक रावत ने बरगा राणा व वीरनराजी स्मार्क पर नवीन स्वीकृत विश्रातिगृह का शिलान्यास किया।इस अवसर कुकडा सरपंच भेरूसिंह , हरी सिंह, पंचायत समिति सदस्य अनीता, महेंद्र, सुरेंद्र, सोहन सिंह,मोहन सिंह, भगवान सिंह, रावजी कूकडा, एवं समस्त ठाामवासी उपस्थित रहे।

तीन सांपों का रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ा

राजसमंद, (निसं)। जिले में गर्मी और उमस बढने से सांप, गोयरा एवं अजगर बिलों से बाहर निकल रहे है। ये जीव ठंडक पाने के लिए घरों में घुस जाते है। पीपरड निवासी वन्यजीव प्रेमी नवीन गहलोत ने बुधवार को एक दिन में एक गोयरा सहित 3 सांपों का रेस्क्यू कर जंगल में छोडा गया। गहलोत ने बताया कि उनकी टीम मेम्बर यशवंत गहलोत, अनिल गहलोत, विकास खान्देला ने कांकरोली शहर में बजरंग व्यास के मकान से 1 चंदन गोयरा, ग्राम पंचायत बामनहेडा के खुमाणपुरा गांव के किशनसिंह दूधवाले के घर के बाहर रखी ईंटो में छिपा साढे 5 फीट लम्बा कोबरा सांप, चंद्र प्रकाश साहू के घर से वुल्फ स्नेक प्रजाति का सांप और पीपरडा चुंगी नाका गाडुलिया बस्ती पर अर्जुन लोहार के घर के पास से 5 फीट लम्बा धामन सांप को पकड कर पुन: जंगल मे छोडा। सांपों का रेस्क्यू कर वनविभाग के वनरक्षक किशन गायरी को सूचित कर पुन: सुरक्षित जंगल मे छोडा गया।

आयुर्वेद चिकित्सा परामर्श शिविर आज

राजसमंद, (निसं)।हर्बलक्योर रिसर्च संस्थान व आरोग्य समिति राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय नाथद्वारा के सहयोग से गुरुवार प्रात: 10बजे सें दोपहर 2 बजे तक राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय नाथद्वारा भवन परिसर में एनिमिया (खून की कमी) रोग व गम्भीर बीमारियों से उत्पन्न दुर्बलता या कमजोरी सें सम्बन्धित रोगो का नि:शुल्क आयुर्वेद चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया जायेगा। शिविर प्रभारी डॉ राजेन्द्र कुमार जांगिड ने बताया कि शिविर में ब्लड (हिमोग्लोबिन) की नि:शुल्क खून की जांच की जाएगी। रोगी को अपने साथ रोग से सम्बन्धित पुरानी पर्ची व रिपोर्ट साथ में लानी होगी।

नोडल अधिकारी नियुक्त

बांसवाड़ा, (निसं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, राजस्थान के अतिरिक्त आयुक्त के निर्देशों के अनुक्रम में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजनान्तर्गत प्राप्त आवेदनों के निस्तारण के लिए 16 सितम्बर से पोर्टल प्रारंभ किया जाकर आवेदनों के निस्तारण से संबंधित समस्याओं के निराकरण के लिए नोडल अधिकारी एवं सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये हैं। जिला कलक्टर रसद प्रकाशचन्द्र शर्मा द्वारा जारी आदेश में अतिरिक्त जिला कलक्टर नरेश बुनकर को नोडल अधिकारी की जिम्मेदारी दी गई है वहीं जिला रसद अधिकारी हजारीलाल अलोरिया को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

अस्पताल में गंदगी मिलने पर ठेकेदार को लगाई फटकार

डूंगरपुर, (निसं)। हरिदेव जोशी सामान्य चिकित्सालय का 24 घण्टे बाद सुधार नहीं होने को लेकर जिला कलैक्टर डॉ. इन्द्रजीत यादव, अतिरिक्त जिला कलैक्टर हेमेन्द्र नागर जिला अस्तपाल पहुंचे और स्वच्छता को लेकर मौका मुआयना किया।

जिला कलैक्टर डॉ. इन्द्रजीत यादव, अतिरिक्त जिला कलैक्टर हेमेन्द्र नागर ने अस्पताल अधीक्षक डॉ महेन्द्र डामोर से ठेकेदार को बुलवाया एवं वार्डो, वाशरूम एवं दरवाजों के बाहर पान गुटको की पीक व पाऊच खाली पडे दिखाई देने पर ठेकेदार को लगाई फटकार साथ ही उन्होने दो दिन में सफाई नहीं होने पर ठेकेदार का टेण्डर निरस्त करने,ब्लेक लिस्टेट करने के निर्देश दिये है। जिला कलक्टर डॉ. यादव एवं एडीएम नागर ने वॉशरूम में गंदगी, पानी की निकासी बंद होना व वार्डो में सफाई के बारे में जानकारी लेते हुए ठेकेदार को

हरिदेव जोशी सामान्य चिकित्सालय परिसर का जिला कलैक्टर व एडीएम ने निरीक्षण किया।

मौके पर गंदगी वाले स्थान पर ले जाकर बताया। और कोताही बरतने पर कार्यवाही के निर्देश दिये। ठेकेदार द्वारा एक दिन की मोहलत मांगने पर जिला कलैक्टर डॉ. यादव ने दो दिन का समय देकर सफाई, एवं स्वच्छता करने की हिदायत दी है। इस अवसर पर निजी सहायक देवचंद यादव, मेल स्टॉफ नर्स राकेश अहारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

कार्यकारिणी का गठन

राजसमंद, (निसं)। राजस्थान नगरपालिका कर्मचारी फैडरेशन राजसमन्द शाखा की बैठक बुधवार को नगर परिषद् कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक के दौरान सर्व सम्मति से नगर परिषद राजसमन्द की कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें वरिष्ठ सहायक किशनलाल प्रजापत को अध्यक्ष पद पर मनोनयन कर पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष वरिष्ठ सहायक रेणु शर्मा, महामंत्री वरिष्ठ सहायक दिनेशचन्द्र शर्मा, कोषाध्यक्ष कनिष्ठ लेखाकार रिचा साहीवाला, सह–कोषाध्यक्ष वरिष्ठ सहायक रूपसिंह चौहान, प्रचार मंत्री कनिष्ठ सहायक गणेश पालीवाल, को नियुक्त किया गया। नवगठित कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने सभी कर्मचारियों को एकजुट होकर फैडरेशन के लिए हर समय तत्पर रहने का संकल्प लिया। इस दौरान भगवतीलाल खारीवाल, गिरिराज माली, तरुण गुर्जर, लक्ष्मीलाल, कैलाशसिंह चारण, दयाराम भोई, भगवतीलाल कुमावत, मीना देवी, भीमराज सहित कर्मचारी मौजूद थे।

कोचिंग सेन्टर व इंदिरा रसोई घर का किया निरीक्षण

उपखंड अधिकारी प्रकाशचंद्र रेगर व तहसीलदार सुन्दरलाल कटारा ने अनुप्रति कोचिंग योजना के तहत प्रतिभावान अभ्यर्थियों के ज्ञान को परखा।

बांसवाड़ा, (निसं)। अनुप्रति कोचिंग योजना के तहत मोहन कॉलोनी में संचालित सिद्धार्थ कोचिंग सेन्टर व नया बस स्टेण्ड स्थित इंदिरा रसोई घर का बुधवार को उपखण्ड अधिकारी प्रकाशचन्द्र रेगर व तहसीलदार सुन्दरलाल कटारा ने निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं व गतिविधियों को देखा। उपखण्ड अधिकारी प्रकाशचन्द्र रेगर ने कोचिंग सेन्टर के संचालक से सेन्टर पर मौजूद विद्यार्थियों की शिक्षण व्यवस्था की जानकारी ली।

कोचिंग सेन्टर पर अनुप्रति कोचिंग योजना के तहत प्रतिभावान अभ्यर्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं के लिए तैयारी करवाई जा रही है। रेगर ने बताया कि पूर्व में किए गये निरीक्षण के पश्चात कोचिंग सेन्टर पर बच्चों की संख्या में बढोत्तरी हुई है। टीएडी विभाग द्वारा संचालित अनुप्रति कोचिंग योजना के तहत प्रतिभावान अभ्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगी परिक्षाओं के चयन की तैयारी के लिए आर्थिक सहायता प्रदान कर प्रोत्साहित करना मुख्य उद्देश्य है।

महिलाओं ने वेतन की मांग को लेकर प्रदर्शन किया

स्कूलों में पोषाहार बनाने वाली महिलाओं ने बकाया वेतन सहित अपनी मांगों को लेकर जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया।

राजसमंद,(निसं)। जिला मुख्यालय पर बुधवार को स्कूलों में पोषाहार बनाने वाली सैकडों महिलाओं ने कुक कम हेल्पर संघर्ष समिति के बैनर तले जिला कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया और अपनी 9 सूत्री मांगों को लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम जिला कलेक्टर निलाभ सक्सेना को ज्ञापन सौंपा।

संघर्ष समिति के प्रदेश उपाध्यक्ष हरिकिशन चौधरी ने बताया कि जिलेभर की सरकारी स्कूलों में पोषाहार बनाने वाली महिलाओं को मनरेगा मजदूरों से भी कम मानदेय मिल रहा है।

महज 174० रुपए में महिलाएं काम कर रही है, लेकिन पिछले 1 साल से इनको वेतन ही नहीं मिल पाया है। ऐसे में महिलाओं के सामने घर चलाने का भी संकट खडा हो गया है। महिलाओं ने बताया कि साल भर में 1 दिन का अवकाश नहीं मिल पा रहा है ना ही कोई सरकारी सुविधाएं मिल पा रही है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर 26 दिसंबर तक सरकार ने उनकी 9 सूत्री मांगों पर अमल नहीं किया, तो वह जयपुर के शहीद स्मारक पर प्रदेशभर के कुक कम हेल्पर महिला धरना देंगी और सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करेंगी।

अतिक्रमण हटाने की लगाई गुहार

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के गैंजी गांव के लोगों ने अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर बुधवार को कलेक्ट्रेट के बाहर सरपंच, ग्राम विकास अधिकारी और पटवारी के खिलाफ प्रदर्शन कर ज्ञापन सौपा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गैंजी गांव के लोग अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर लामबद्ध हो गए हैं। लोगों ने बुधवार कलेक्ट्री के सामने नारेबाजी कर प्रभावशाली लोगों के अतिक्रमण तोडने की गुहार लगाई है। लोगों ने कहा की अतिक्रमण की वजह से सडकें सकरी हो रही हैं।जिले की ग्राम पंचायत गेंजी में अतिक्रमण हटाने की मांग को लेकर ग्रामीणों का प्रतिनिधिमंडल कलेक्ट्री पहुंचा। ग्रामीणों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर प्रभावशाली लोगों और ग्राम पंचायत की मिलीभगत से किए गए अतिक्रमण तोडने की मांग रखी। उन्होंने ग्राम पंचायत गैंजी के सरपंच, ग्राम विकास अधिकारी और पटवारी के खिलाफ प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप था की गांव में सडक की जमीन, नदी के पेटे और सरकारी जमीनों पर अतिक्रमण किए जा रहे हैं। कई सालों से गांव में तालाब के किनारे पीडब्ल्यूडी की सडक सरकारी जमीन पर बनी हुई है।

महालक्ष्मी रथ यात्रा को लेकर सर्वसमाज की बैठक आयोजित

डूंगरपुर, (निसं)। महालक्ष्मी रथयात्रा के डूंगरपुर जिले में आगमन पर भव्य स्वागत करने की रूपरेखा बनाने के उद्देश्य से राजस्थान अठावाल सम्मेलन के अध्यक्ष तथा पूर्व सभापति केके गुप्ता के निवास पर बुधवार को सर्व समाज की बैठक आयोजित की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए गुप्ता ने कहा कि यह रथ भीलवाडा से प्रारंभ होकर जिला चित्तौडग़ढ़, प्रतापगढ़, बांसवाडा होते हुए डूंगरपुर मे 15 सितम्बर की रात्रि को पहुंचेगा तथा 16 सितम्बर शुक्रवार को प्रात: 8 बजे तिजवड स्थित होटल साईं पैलेस से नया बस स्टैंड, पुराना बस स्टैंड, तहसील चौराहा व गांधी आश्रम होते हुए रथयात्रा खेरवाडा रवाना हो जायेगी। गुप्ता ने कहा कि मां लक्ष्मी का रथ पूरे देश में घूम रहा है। इसकी संख्या 18 है तथा देश के हर छोटे से छोटे गांव में हर जिले में रथयात्रा प्रवेश करेगी। इसका मूल उद्देश्य पूरा देश मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त करें। इस रथ यात्रा का नेतृत्व अठावाल समाज कर रहा है। अठावाल समाज सदैव 36 कोम को साथ लेकर चलता है यह संदेश रथ के माध्यम से पूरे देश में जाएगा। इस रथयात्रा में भारी जन सैलाब उमड रहा है सभी धर्मो के लोग महालक्ष्मी जी की पूजा अर्चना कर रहे हैं और आशीर्वाद ले रहे हैं। इस पूरी रथ यात्रा को लेकर जगह – जगह जोर – शोर से तैयारियां चल रही है। आप सभी भी सपरिवार मां लक्ष्मी का आशीर्वाद लेने अवश्य पधारें।गुप्ता ने कहा कि अठोोहा हरियाणा में मंदिर की स्थापना को लेकर इस रथ का आयोजन किया गया है जोकि 108 फीट लंबा 108 फीट चौडा तथा 108 फीट ऊंचा विशाल मंदिर बनेगा। जिसकी लागत करीब 550 करोड रुपए है और यह है हर घर तक पहुंचेगा। जिससे समाज में जागृति और चेतना पैदा हो समाज संगठित हो तथा समाज के अंदर अनेकों प्रकार के विवाद समाप्त हो तथा मां लक्ष्मी आशीर्वाद दे, समाज आगे बढ़े और हमारा देश विश्व गुरु बने इन्हीं भावों को लेकर इस रथ को चलाया जा रहा है। जिसकी सफलता आमजन की भागीदारी से तथा उसके सहयोग से हो रही है। बैठक में चेम्बर ऑफ कॉमर्स से प्रभुलाल पटेल, पवन दोशी, श्रीमाल समाज से प्रवीण श्रीमाल, बाबूलाल श्रीमाल, मुकेश श्रीमाल, जैन समाज से बदामीलाल वखारिया, पंकज जैन नवकार, विजय कुमार जैन, हर्षवर्धन जैन, जवाहरलाल जैन, अल्पेश जैन, राजेश जैन, चौबीसा समाज से सुरेन्द्र चौबीसा, मयंक शर्मा, अग्रवाल समाज से ओमप्रकाश मित्तल, दिलीप अग्रवाल, मदन अठावाल, रूपेश मित्तल, खडायता समाज से सतीश शाह, भावसार समाज से हिमांशु भावसार, जोगी रावल समाज से गटुनाथ रावल, प्रवालिया गौड समाज से उपेंद्र पण्ड्या आदि मौजूद थे।

महालक्ष्मी रथयात्रा को लेकर बैठक आयोजित हुई।

सार-समाचार

एसेंट के विद्यार्थी बने उदयपुर टॉपर

उदयपुर, (कासं)। एनटीए द्वारा जारी किये गये नीट परिणाम में उदयपुर के प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान एसेंट उदयपुर के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट परिणाम अर्जित किया है। संस्थान के विद्यार्थी मोहम्मद हम्जा ने राष्ट्रीय स्तर पर 109 रैंक प्राप्त कर उदयपुर में प्रथम स्थान अर्जित प्राप्त किया है। इसी तरह भारत की सबसे कठिन परीक्षा जेईई एडवान्सड 2022 में एसेंट के विद्यार्थी लक्ष्य गढ़वाल ने ऑल इण्डिया रेंक 64वीं (केटेगरी रेंक 09 रेंक) प्राप्त कर पूरे उदयपुर शहर में प्रथम स्थान अर्जित किया। इसके साथ ही प्रियांशी झा ने भी ऑल इण्डिया रेंक 1917वीं प्राप्त कर पूरे उदयपुर शहर में छात्राओं में प्रथम स्थान अर्जित किया।संस्थान के प्रबन्ध निदेशक मनोज बिसारती ने बताया कि नीट के चयनित विद्यार्थियों में मोहम्मद हम्जा (109 रैंक), हर्ष मुण्डानिया (117 रैंक), आशिष गेहलोत (130 रैंक), मोती (279 रैंक), भानुप्रताप देवरा (304 रैंक), शिवान अवस्थी (474 रैंक), आयुशी चौधरी (487 रैंक), शेखर (596 रैंक), चयांक (868 रैंक), दिपेश करोटिया (875 रैंक), गर्वित भगोरा (877 रैंक), गंगाप्रसाद जाट (953 रैंक), ज्योतिरादित्य सिंह (972 रैंक) ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राट्रीय स्तर पर टॉप 1000 रैंको में अपना स्थान बनाया है। इस प्रकार उदयपुर शहर के प्रथम 10 रैंक में 9 विद्यार्थी एसेन्ट संस्थान के हैं। इनके अलावा निकिता, विष्णुकुमार पटेल, निखिल, विरंची दाधीच, अवन्तिका पाटीदार, जयश्री, जान्हवी जोशी, जान्हवी पांचाल, जिज्ञासा तेजावत, विशाल मोरी, देवेन्द्र सिसोदिया, निखिल विरवाल एवं जिगीशा दलावत ने भी टॉप 2000 रैंक में अपना स्थान बनाया है। ऐसेन्ट के लगभग 2112 से अधिक विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा के लिए क्वालिफाई किया।

बैठक में विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

भीण्डर, (निसं)। जनता सेना राजस्थान की कोर कमेटी की बैठक बुधवार को राजमहल भीण्डर में संरक्षक रणधीर सिंह भीण्डर की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में कोर कमेटी सदस्यों ने राज्य में किसान, आमजन, युवा व छात्र परेशान है परन्तु राज्य व केन्द्र की सरकार के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही है। ऐसी विभिन्न समस्याओं को लेकर जनता सेना की तरफ से अगले माह 14 अक्टूबर को उदयपुर में विशाल धरना–प्रदर्शन करने की भी घोषणा की है। बैठक में बताया कि वर्षो से क्षेत्र का किसान चिल्ला रहा है कि राष्ट्रीय राजमार्ग के निर्माण में पानी के निकास की व्यवस्था नहीं होने से सडक के दोनों ओर तरफ के खेत तालाबों का आकार ले चुके हैं व करोडों रुपयों की फसल का नुकसान हर वर्ष हो रहा है परन्तु बार–बार कहने पर भी आज दिन तक इसका ना तो निराकरण हुआ और ना ही किसी किसान को कोई मुआवजा दिया गया। इसी तरह एयरपोर्ट ओथोरिटी ने किसानों की खडी फसलों के खेतों पर कब्जा कर लिया पर मुआवजा नहीं दिया गया। जहां दिया गया वो भी मावली तहसील के अनुपात में काफी कम जैसे ऊंट के मुंह में जीरा जितना। पशुओं में लम्पी महामारी चल रही है परन्तु सरकार की ओर से कोई राहत नहीं। क्षेत्र में वेटेनरी कोलेज होने के बाद भी टीकाकरण पूर्व में नहीं किया गया जो राज्य सरकार की अदूरदर्शिता बताती है। दूसरे राज्यों में पशुपालक के दूध के भाव बढाकर राहत दी गई परन्तु राजस्थान में अब तक कोई निर्णय नहीं लिया गया।

सखी वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया

डूंगरपुर, (निसं)। जिला प्रभारी सचिव एवं शासन सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग राजस्थान सरकार दिनेश कुमार यादव ने बुधवार को महिला अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित पुलिस लाईन के पास सखी वन स्टॉप सेन्टर का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किये है। निरीक्षण के दौरान जिला कलक्टर डॉ. इंद्रजीत यादव व अतिरिक्त जिला कलक्टर हेमेन्द्र नागर मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान जिला प्रभारी सचिव दिनेश कुमार यादव ने इंदिरा महिला शक्ति योजनाओं की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किये है। उन्होंने इंदिरा महिला शक्ति योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र महिला को देने के निर्देश प्रदान किये है। साथ ही उन्होंने संस्था के कर्मचारियों का प्रशिक्षण एवं सभी विद्यालयों में जाकर जागरूकता फैलाने के आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किये है। निरीक्षण के दौरान महिला बाल विकास विभाग के उप निदेशक कमला परमार, सहायक निदेशक मोतीलाल मीणा, सीडीपीओ शकुंतला जोशी सहित समस्त विभागीय अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

दो दिवसीय वाक्पीठ संगोष्ठी सम्पन्न

राजसमंद, (निसं)। विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी ने कहा कि शिक्षक बच्चों के भविष्य निर्माता है वे उन्हें अच्छी शिक्षा देकर जीवन में आगे बढा सकते है और वे समाज में अपनी भूमिका निभा कर देश प्रदेश का भविष्य उज्जवल करने में अपना सहयोग दे सकते है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ सीपी जोशी बुधवार को मोलेला में खेडी माता मन्दिर में आयोजित राजकीय व निजी प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों प्रधानाध्यापक के देलवाडा व खमनोर खण्ड स्तरीय दो दिवसीय वाक्पीठ संगोष्ठी कार्यक्रम के समापन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने शिक्षको की भूमिका और बच्चो के भविष्य निर्माण समाज की शिक्षक से अपेक्षा और उनके बारे में चल रहे कन्सेप्ट पर और सरकारी और निजी स्कूलों में अन्तर के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। इसके साथ आधुनिक समय में शिक्षा में आए तौर तरीको के बदलाव पर उन्होंने बात की। समारोह को खमनोर प्रधान भैरूलाल वीरवाल, कांग्रेस पूर्व जिलाध्यक्ष देवकीनन्दन गुर्जर ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों एवं वाक्पीठ कार्यकारिणी के पदाधिकारियों सहित कार्यक्रम आयोजक शिक्षक कृष्ण गोपाल गुर्जर, वाक्पीठ अध्यक्ष विष्णु पालीवाल, जगतसिंह, सीबीए निदेशक शिवहरी शर्मा, डॉ बीएल जाट, कौशलेन्द्र गोस्वामी, नरेन्द्रसिंह चौहान, राजेश्वर त्रिपाठी को प्रभु श्रीनाथजी की छवी भेंटकर कर सम्मन्नित किया गया।

'समाज उन्नति के लिए युवा एकजुट हों'

राजसमंद, (निसं)। युवा सैन समाज के कार्यकर्ताओं की रामेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आयोजित बैठक अध्यक्ष पद पर सर्वसम्मति से एडवोकेट महेश सैन को नियुक्त किया। कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष कमलेश सैन सेमा, सचिव गोर्वधन सैन सोनियाना, कोषाध्यक्ष प्रमोद सैन कांकरोली, संगठन मंत्री नानालाल सैन शिशवी, व्यवस्था मंत्री उदय सेन पुठोल, पिंटू विजय वास्पति, सूचना मंत्री जितेंद्र सेन मोही को मनोनीत किया गया। नवनियुक्त युवा अध्यक्ष महेश सैन ने बताया कि हम सभी युवा मिलकर समाज मे फैली कुरीतियों को मिटाने का प्रयास करेंगे, सैन समाज के छात्रावास निर्माण में सहयोग, युवाओं को व बालिका शिक्षा को बढावा देने, युवाओं को सामाजिक रोजगार में सहयोग व प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर उनकी कला को निखारने का कार्य किया जाएगा एवं समाज की उन्नति के लिऐ सभी युवा संगठित होकर प्रयास करते हुए समाज की उन्नति में योगदान देंगे। इस दौरान नाथूलाल सैन, युधिष्ठर सैन, पवन सेन सहित अनेक युवा मौजूद थे।

तीसरे दिन रोमांचक हुए मुकाबले

डूंगरपुर, (निसं)। राउमावि मझोला की मेजबानी में खेल मैदान मझोला में आयोज्य डूंगरपुर ब्लॉक स्तरीय राजीव गांधी ग्रामीण ओलंपिक खेल प्रतियोगिता में तीसरे दिन रोमांचक मुकाबले हुए। मुख्य निर्णायक रमेशचंद्र रोत, सह निर्णायक तरुणेश पंड्या व खेल सचिव प्रकाश मनात संयुक्त रूप से बताया कि बुधवार को खो–खो में भाटपुर व रोहनवाडा के मध्य फाइनल मुकाबले में रोहनवाडा टीम विजेता रही। उधर दूसरी ओर वॉलीबॉल के सेमीफाइनल मुकाबले में थाना ने देवल खास को व खेडा कच्छवासा ने गामडी देवल को हराया। बाद में वॉलीबॉल के फाइनल मुकाबले में थाना विजेता व खेडा कच्छवासा उप विजेता रही। कबड्डी पुरुष के सेमीफाइनल मुकाबले में देवल खास ने माथुगामडा पाल को व माडा ने खेमारू को हराया। देवलखास व माडा के मध्य फाइनल मुकाबला गुरुवार को होगा। कबड्डी महिला के सेमीफाइनल मुकाबले में माथुगामडापाल ने चक महुंडी को व गामडी देवल ने देवल खास को हराया। माथुगामडा पाल व गामडी देवल के मध्य फाइनल मुकाबला गुरुवार को होगा। खेल मैदान में हुए टेनिस बॉल क्रिकेट के क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में खेरवाडा, घुघरा, माथुगामडा पाल, सतीरामपुर, गोकुलपुरा, बलवाडा, देवल खास व उपरगांव की टीम विजेता रही। मझोला खेल मैदान में आयोज्य रोमांचकारी मुकाबलों को देखने के लिए दर्शकों की अपार भीड उमड रही है।

संस्कृतिक व पर्यटन प्रकोष्ठ का विस्तार

डूंगरपुर, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रभु पंडया एवं संस्कृतिक व पर्यटन प्रकोष्ठ के जिला प्रभारी शान्तिलाल पंड्या की अनुशंषा पर प्रकोष्ठ की जिला संयोजक रेखा पंडया ने अपनी कार्यकारिणी की घोषणा की। किरणेश्वर चौबीसा ने बताया की जिसमें सह संयोजक भूपेश शर्मा, सीमा जोशी, सदस्य दलीचंद बुनकर, चिमनलाल तेजोत, जगदीश ताबियाड, राजेश जोशी, सुनील भट्ट, मधुकांता व केसरदेवी मीणा को सदस्य मनोनीत किया।

राजस्थान में चुनाव लड़ने के लिए हम तैयार हैं : ओवैसी

कांग्रेस और बीजेपी पर जमकर निशाना साधा

एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी का बुधवार को जयपुर के जालुपूरा और भट्टा बस्ती इलाके में स्वागत के लिये पार्टी के कार्यकर्ताओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

जयपुर। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन ओवैसी आज बुधवार को राजधानी जयपुर पहुंचे। राजधानी के जालु पूरा और भट्टा बस्ती इलाके में असदुद्दीन ओवैसी का पार्टी के कार्यकर्ताओं की तरफ से जबरदस्त स्वागत किया गया। इस दौरान असदुद्दीन ओवैसी ने लोगों से जनसंपर्क किया और यहां से प्रदेश कार्यालय के लिए रवाना

■ **दो दिनों तक करेंगे प्रदेश में सभाएं और जनसंपर्क**

हुए। ओवैसी आज बुधवार को सीकर सहित अन्य जगहों पर जनसंपर्क कर जनसभाएं भी करेंगे।

असदुद्दीन ओवैसी के दो दिवसीय दौरे को लेकर राजस्थान की सियासत में काफी खलबली भी नजर आ रही है। वहीं जिस तरह से असदुद्दीन ओवैसी आज राजधानी जयपुर के जालूपुरा और भट्टा बस्ती इलाके में पहुंचे यहां पर लोगों ने असदुद्दीन ओवैसी के समर्थन में जबरदस्त नारेबाजी की। इस दौरान असदुद्दीन ओवैसी ने मीडिया से बातचीत के दौरान बीजेपी और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आज राजस्थान सरकार के मंत्री और नेता आपस में लड़ते झगड़ते हुए नजर आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर आज हम लोगों ने बिगुल बजा दिया है। हिजाब मामले को लेकर उन्होंने कहा कि हिसाब से किन लोगों को ज्यादा दिक्कत हो रही है वह सभी लोगों के सामने है।

डॉ. गुंजन गर्ग एवं डॉ. गोपाल काबरा को हिन्दी सेवा पुरस्कार

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि हिन्दी भाषा देश के विभिन्न राज्यों के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करती है। हिन्दी हमारे विचारों की अभिव्यक्ति का सशक्त एवं प्रभावी माध्यम है। देशवासियों में भाईचारे की भावना को बढ़ाने में हिन्दी भाषा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

गहलोत बुधवार को सवाई मानसिंह चिकित्सालय महाविद्यालय के मुख्य सभागार में आयोजित राज्य स्तरीय हिन्दी दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर डॉ. गुंजन गर्ग एवं डॉ. गोपाल काबरा को चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट लेखन के लिए हिंदी सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया तथा 'भाषा विमर्श' के स्वर्ण जयंती विशेषांक का विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने हिन्दी विषय में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले 393 छात्रों को भी सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि लोगों को आपस में जोड़ने में भाषा का अहम योगदान रहता है। हिन्दी भाषा को प्रोत्साहन देने में सरकार ने कोई कमी नहीं रखी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिन्दी हमारी सांस्कृतिक धरोहर की संवाहक है तथा भारतीय संस्कृति का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि हिन्दी भाषा दुनिया में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में से एक है।

हिंदी दिवस पर आयोजित हुई श्रुति लेख-सुलेख प्रतियोगिता

हिंदी दिवस पर बुधवार को कला एवं संस्कृति विभाग और भाषा अकादमियों की ओर से श्रुति लेख और सुलेख प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

जयपुर। आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत हिंदी दिवस के अवसर कला एवं संस्कृति विभाग और भाषा अकादमियों के संयुक्त तत्वावधान में श्रुति लेख और सुलेख प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। जिसमें विभाग के अधीनस्थ अधिकारियों- कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। श्रुति लेख प्रतियोगिता में राजकुमार जैन, शिवप्रसाद पंत और दीपक नरानिया ने तथा सुलेख प्रतियोगिता में रवीना मीणा, संगीता विश्नोई और बजरंग लाल ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी को विभाग द्वारा प्रमाण पत्र और पुरस्कार प्रदान किए।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए राजस्थान संस्कृत अकादमी की अध्यक्ष डॉ. सरोज कोचर ने कहा कि हिंदी के पारिभाषिक शब्दकोश के लिए संयुक्त प्रयास करने होंगे। विशेष रुप से तकनीकी शब्दों को रूपांतरित कर पृथक से शब्दकोश तैयार कराया जाना आज की प्राथमिक आवश्यकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए उर्दू अकादमी के अध्यक्ष डॉ. हुसैन रजा खान ने कहा कि उर्दू भी एक हिंदी शब्द है, चूंकि उर्दू में हिंदी का उर निहित है ,जबकि अंग्रेजी अरबी- फारसी शब्द है। यह बडा ही अद्भुत और अनूठा संयोग है। कार्यक्रम का विषय प्रवर्तन करते हुए विभाग के संयुक्त शासन सचिव पंकज ओझा ने कहा कि हिंदी की वैश्विक मान्यता के अंतर्गत हार्वर्ड, कोलंबिया, येल कार्नेल, टेक्सस्, शिकागो सहित 200 विश्व विद्यालयों में हिंदी पढ़ी-पढ़ाई जा रही है। हिंदी गीतों को विश्व में रुचि के साथ सुना जा रहा है। कार्यक्रम में विशिष्ट वक्ता के रूप में बोलते हुए वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी राजनारायण शर्मा ने कहा कि हिंदी को ज्यादा से ज्यादा दैनिक एवं राजकाज के व्यवहार के लिए अपनाया जाना चाहिए। साथ ही अन्य भाषाओं के जन प्रचलित शब्दों को हिंदी में रूपांतरित कर उन्हें मान्यता प्रदान करनी चाहिए। हिंदी भाषा हमारी थाती और संस्कारों को जोडे रखती है।

गबन का फरार आरोपी गिरफ्तार

जयपुर। ज्योति नगर थाना पुलिस ने एटीएम मशीन से 55 लाख रूपए के गबन मामले में डेढ़ साल से फरार चल रहे मुख्य आरोपी को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया है।

डीसीपी (साउथ) योगेश गोयल ने बताया मुख्य आरोपी रविन्द्र कुमार चाहर निवासी श्याम नगर कॉलोनी, भरतपुर हाल नांगल जैसा बोहरा करधनी को गिरफ्तार किया है। इस मामले में एक अन्य आरोपी हिमांशु परैवा को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका है। थानाधिकारी सरोज धायल ने बताया 3 मार्च 2021 को राइटर बिजनेस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के ब्रांच मैनेजर नरेश कुमार सैन ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उनकी कंपनी एटीएम मशीन में बैंकों की रकम लोड करने का काम करती है। कम्पनी कर्मचारी रविन्द्र कुमार चाहर के रूट पर ऑडिट करवायी गई तो 55 लाख रुपये की शॉर्ट पाई गई।

विवादित उत्तरों को लेकर मांगा जवाब

जयपुर। हाईकोर्ट ने बेसिक कम्प्यूटर अनुदेशक भर्ती-2022 में कुछ सवालों के जांचे गए विवादित उत्तरों के मामले में शिक्षा सचिव और माध्यमिक शिक्षा निदेशक सहित कर्मचारी चयन बोर्ड के चेयरमैन व सचिव से जवाब मांगा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह की एकलपीठ ने यह आदेश राजेश कुमार मीणा की याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने एक फरवरी 2022 को बेसिक कम्प्यूटर अनुदेशक और वरिष्ठ कम्प्यूटर अनुदेशक के कुल दस हजार 157 पदों के लिए भर्ती निकाली। बोर्ड की ओर से 18 जून को लिखित परीक्षा आयोजित की गई और 4 जुलाई को परीक्षा की मॉडल उत्तर कुंजी जारी की गई। जिसमें बोर्ड ने सभी सवालों के सही जवाब जांचे। वहीं बोर्ड की ओर से 31 अगस्त को अंतिम उत्तर कुंजी जारी की गई। याचिका में कहा कि अंतिम उत्तर कुंजी में बोर्ड ने कुछ प्रश्नों के जवाबों को डिलीट कर दिया। वहीं दो प्रश्नों के जवाब बदल दिए गए। ऐसा करने से याचिकाकर्ता न्यूनतम अंक प्राप्त करने से वंचित रह गया और उसे चयन प्रक्रिया से बाहर होना पड़ा। जबकि याचिकाकर्ता की ओर से दिए गए जवाब सही थे। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत में विभिन्न मान्यता प्राप्त पुस्तकों और शिक्षा बोर्ड की पुस्तकों का हवाला देते हुए कहा गया कि कर्मचारी चयन बोर्ड ने मनमाने तरीके से सवालों को डिलीट किया और दो प्रश्नों के जवाब बदले हैं।

प्रदेशभर में वन्यजीव सप्ताह दो से

जयपुर, (का.सं.)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि वन्यजीव संरक्षण हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता में है। राज्य सरकार के वन्यजीव संरक्षण में अथक प्रयासों से ही प्रदेश में टाइगर की संख्या 100 से अधिक हो गई है। वहीं, पैंथर, ब्लैकबक, चीतल, हिरण, खरमोर सहित अन्य वन्यजीवों की संख्या में भी लगातार इजाफा हो रहा है। गहलोत ने रणथम्भौर, सरिस्का, मुकुंदरा एवं रामगढ़ विषधारी सहित प्रदेश के अभयारण्यों में आवश्यकता अनुसार कार्य योजना कार्य करने के लिए विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए।

गहलोत मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर राज्य वन्यजीव मंडल की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशभर में 2 अक्टूबर से वन्यजीव सप्ताह का आयोजन किया जाएगा।

भ्रष्टाचार की उच्च स्तरीय जांच की मांग की राजेन्द्र राठौड़ ने

उपनेता प्रतिपक्ष ने कोयला क्रय करने व कोयले की धुलाई के नाम पर किये जाने वाले भ्रष्टाचार की जांच के लिये सीएम को पत्र लिखा

जयपुर। उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को पत्र लिखा है। इस पत्र के जरिए उन्होंने कोयला क्रय करने व कोयले की धुलाई के नाम पर किये जाने वाले भ्रष्टाचार की उच्चस्तरीय जांच करवाने की मांग की है। साथ ही विद्युत उत्पादन निगम की गलतियों के कारण अडानी समूह को दी जाने वाली राशि 7438 करोड़ का भुगतान उपभोक्ताओं के बजाय राज्य सरकार द्वारा अपने खजाने से करने, अडानी समूह प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय में लचर पैरवी करने व अडानी समूह के साथ अनुबंध में कमी रखने वाले अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने की मांग की।

राठौड़ ने कहा कि पिछले एक से 9 माह के अंतराल में राज्य के 10 से लेकर 6 विद्युत संयंत्रों में अलग-अलग समय के लिए कोयले की कमी व तकनीकी खामी के कारण विद्युत उत्पादन बाधित रहा है। जिसके परिणामस्वरूप 4425 मेगावाट से 2690 मेगावाट के थर्मल पावर प्लांट अलग-अलग समय में बंद रहे। निजी विद्युत उत्पादन कंपनियों से राज्य विद्युत उत्पादन निगम द्वारा महंगी बिजली खरीद कर प्रदेश की जनता पर भार डाला गया। राठौड़ ने कहा कि अब कोयले के अतिरिक्त ब्रिज लिंकेज के माध्यम से विभिन्न निजी कोयला उत्पादन कंपनियों को विद्युत उत्पादन निगम पूर्व में आवंटित कोल ब्लॉकों से 40 फीसदी अधिक महंगी दर पर खरीदकर उसकी धुलाई के नाम पर वाशरी ऑपरेटरों के साथ मिलीभगत कर करोड़ों रुपये का नुकसान पहुंचाया गया है। अब राज्य के 1.47 करोड़ विद्युत उपभोक्ताओं पर विद्युत दरों को फ्यूल चार्ज के नाम पर बढ़ाने के षड्यंत्र को मूर्त रूप दिया जा रहा है। जबकि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, किसी भी बिजली संयंत्र द्वारा 34 के धुले हुए कोयले का उपयोग अनिवार्य नहीं है।

उच्चतम न्यायालय ने बीसीसीआई के संविधान में संशोधन की अनुमति दी

गांगुली और शाह पद पर बने रहने का रास्ता साफ

नयी दिल्ली, 14 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के संविधान में संशोधन की अनुमति दी जिससे इसके अध्यक्ष सौरव गांगुली और सचिव जय शाह के अनिवार्य ब्रेक (कूलिंग ऑफ पीरियड) पर जाए बगैर पद पर बने रहने का रास्ता साफ हो गया।

बीसीसीआई ने अपने प्रस्तावित संशोधनों में अपने पदाधिकारियों के लिए अनिवार्य ब्रेक में ढील देने की मांग की थी, जिससे गांगुली और शाह को 30 सितंबर 2022 के बाद भी अगले तीन साल के कार्यकाल के लिए अध्यक्ष और सचिव के पद पर बने रहे। भारत के पूर्व कप्तान गांगुली और शाह अक्टूबर 2019 से बीसीसीआई में शीर्ष पदों पर रहे हैं।

न्यायमूर्ति डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति हेमा कोहली की पीठ ने कहा कि एक पदाधिकारी का लगातार 12 साल का कार्यकाल हो सकता है जिसमें राज्य संघ में छह साल और बीसीसीआई में छह साल शामिल हैं लेकिन इसके बाद तीन साल के ब्रेक पर जाना होगा।

पीठ ने कहा कि एक पदाधिकारी बीसीसीआई और राज्य संघ दोनों स्तरों पर लगातार दो कार्यकाल के लिए एक विशेष पद पर काम कर सकता है जिसके बाद उसे तीन साल का ब्रेक लेना होगा।

पीठ ने कहा, ''ब्रेक की अवधि का उद्देश्य अवांछित एकाधिकार नहीं बनने देना है।''

इससे पहले न्यायमूर्ति आरएम लोढ़ा की अगुवाई वाली समिति ने बीसीसीआई में सुधारों की सिफारिश की थी जिसे शीर्ष अदालत ने स्वीकार किया था।

इसमें उच्चतम न्यायालय द्वारा स्वीकृत बीसीसीआई के संविधान के अनुसार राज्य क्रिकेट संघ या बीसीसीआई में तीन-तीन साल के लगातार दो कार्यकाल के बाद किसी भी व्यक्ति का तीन साल के ब्रेक पर जाना अनिवार्य था।

गांगुली जहां बंगाल क्रिकेट संघ में पदाधिकारी थे तो वहीं शाह गुजरात क्रिकेट संघ से जुड़े थे।

इस फैसले के बाद बोर्ड के अंदर कई मुद्दों पर चर्चा शुरू हो गयी है। इसमें सबसे अहम है कि क्या हम गांगुली को बीसीसीआई के अध्यक्ष के रूप में बने रहेंगे? या वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी पेश करेंगे? ऐसे में क्या क्या जय शाह को बीसीसीआई के सदस्य अध्यक्ष के रूप में पदोन्नत करेंगे?

बीसीसीआई के अंदर में इस बात की भी चर्चा है जल्द ही चुनाव हो सकते है।

बोर्ड के एक अधिकारी ने गोपनीयता की शर्त पर पीटीआई से कहा, '' बोर्ड में एजीएम (वार्षिक आम बैठक) के बाद चीजें बदल सकती हैं। जब तक नामांकन पत्र दाखिल नहीं हो जाते, तब तक आप कुछ नहीं कह सकते। यह कहना जल्दबाजी होगी कि एजीएम के बाद क्या होगा। हां, न्यायालय का फैसला वर्तमान पदाधिकारियों के पक्ष में है।''

शीर्ष अदालत ने भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलील पर गौर किया कि मौजूदा धाराओं के तहत एक पदाधिकारी अगर राज्य संघ की सेवा के बाद बीसीसीआई में सेवा देता है तो अनिवार्य रूप से तीन साल की अनिवार्य ब्रेक से गुजरना होगा, जिससे उसे अपनी योजनाओं को धरातल पर उतारने के लिए काफी कम समय मिलेगा।

मेहता ने कहा, '' एक पदाधिकारी के लिए अपनी योजना को अंजाम देने के लिए तीन साल बहुत कम होते हैं और इसलिए काम के उचित निष्पादन के लिए लगातार दो कार्यकाल दिए जाने की आवश्यकता है।''

पीठ ने कहा कि बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक में तीन-चौथाई बहुमत से सर्वसम्मति से विचार किया गया है और उन्होंने संविधान में संशोधन का प्रस्ताव दिया है जिसमें अध्यक्ष और सचिव के पद के लिए अनिवार्य ब्रेक की बारे में भी कहा गया है।

न्याय मित्र मनिंदर सिंह ने कहा कि कूलिंग ऑफ पीरियड की आवश्यकता केवल बीसीसीआई के अध्यक्ष और सचिव तक ही सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि सभी पदाधिकारियों के लिए भी होनी चाहिए। यह सभी राज्य क्रिकेट संघों पर भी लागू होनी चाहिए।

मंधाना के अद्धर्शतक की बदौलत भारत ने शृंखला बराबर की

डर्बी, 14 सितंबर। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने स्मृति मंधाना (79 नाबाद) के अद्धर्शतक और स्नेह राणा (24/3) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत इंग्लैंड को दूसरा टी20 मैच आठ विकेट से हराकर शृंखला एक-एक से बराबर की।

इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत को 143 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे हरमनप्रीत कौर की टीम ने 16.4 ओवर में ही हासिल कर लिया।

इंग्लैंड के 142 रन का पीछा करते हुए मंधाना ने भारत को विस्फोटक शुरुआत दिलायी और शेफाली वर्मा (20) के साथ पहले विकेट के लिये छह ओवर में 55 रन जोड़े।

शेफाली के बाद क्रीज पर आयीं दयालन हेमलता 10 गेंदों पर नौ रन बनाकर पवेलियन लौट गयीं, जिसके बाद मंधाना ने कप्तान हरमनप्रीत के साथ मिलकर भारत को जीत तक पहुंचाया। मंधाना ने अपनी नाबाद पारी में 53 गेंदों पर 13 चौकों की बदौलत 79 रन बनाये जबकि हरमनप्रीत ने 22 गेंदों पर चार चौकों सहित 29 रन की नाबाद पारी खेली। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिये 69 रन की साझेदारी हुई और भारत ने 20 गेंदें रहते आठ विकेट से मैच जीत लिया।

इससे पहले, इंग्लैंड ने 20 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 142 रन बनाये थे। इंग्लैंड की ओर से फ्रेया केंप ने 37 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की बदौलत नाबाद 51 रन बनाये, जबकि माया बाउचियर ने 26 गेंदों पर 34 रन जोड़े।

स्नेह राणा ने इंग्लिश बल्लेबाजों को अपनी फिरकी में फंसाकर चार ओवर में 24 रन के बदले तीन विकेट लिये, जिसमें बाउचियर का विकेट शामिल था।

भारत ने इस जीत के साथ तीन मैचों की टी20 शृंखला को एक-एक से बराबर कर दिया है। सीरीज का अंतिम और निर्णायक मैच गुरुवार को ब्रिस्टल में खेला जाएगा।

मुंबई इंडियंस ने जयवर्धने, जहीर को नयी जिम्मेदारी सौंपी

मुंबई, 14 सितंबर। मुंबई इंडियंस ने वैश्विक क्रिकेट में अपनी पहचान को और मजबूत करने के लिए एक केंद्रीय टीम का गठन किया है जिसमें दिग्गज खिलाड़ी महेला जयवर्धने और जहीर खान को नयी जिम्मेदारियों के साथ शामिल किया गया है।

मुंबई इंडियंस ने बुधवार को यहां जारी विज्ञप्ति में कहा, एमआई अमीरात और एमआई केप टाउन की टीमों के जुड़ने से एमआई परिवार बड़ा हो गया है। मुंबई इंडियंस के विस्तार के साथ टीम प्रबंधन ने एक ऐसे केंद्रीय टीम की आवश्यकता महसूस की जो व्यवहार, मूल्यों और सीखने-सिखाने में निरंतरता को सुनिश्चित कर सके।फ्रेंचाइजी ने बताया कि महेला जयवर्धने को केंद्रीय टीम में 'ग्लोबल हेड ऑफ परफॉर्मेंस' बनाया गया है। वह दुनिया भर में मुंबई इंडियन्स समूह के क्रिकेट कार्यों की देख-रेख करेंगे। इसमें समग्र रणनीतिक योजना बनाना, एक एकीकृत वैश्विक 'हाई परफॉर्मेंस ईको-सिस्टम' का निर्माण करना और प्रत्येक टीम की कोचिंग एवं सपोर्ट स्टाफ की जिम्मेदारी शामिल है। साथ ही वह टीम के मुख्य कोचों के साथ मिलकर टीमों में तालमेल को भी सुनिश्चित करेंगे। विज्ञप्ति के अनुसार ज़हीर खान को एमआई का 'ग्लोबल हेड ऑफ क्रिकेट डेवलपमेंट' नियुक्त किया गया है।

उनपर खिलाड़ियों के खेल में निखार लाने के जिम्मेदारी होगी। दुनिया भर में प्रतिभाओं की पहचान करना, उन्हें संवार कर आगे बढ़ाना ज़हीर काम का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा। रिलायंस जियो इन्फोकॉम के चेयरमैन आकाश अंबानी ने इस मौके पर कहा, मैं महेला जयवर्धने और ज़हीर खान को हमारी वैश्विक कोर टीम के हिस्से के रूप में पाकर बेहद खुश हूं। दोनों एमआई परिवार का एक अभिन्न हिस्सा रहे हैं और क्रिकेट एमआई की भावना का प्रतीक हैं।

मुझे विश्वास है कि वे विश्व स्तर पर हमारी सभी टीमों के माध्यम से समान प्रवाह सुनिश्चित करने में सक्षम होंगे और दुनिया भर में क्रिकेट के ईको-सिस्टम में बदलाव लाएंगे। जयवर्धने ने कहा, एमआई के वैश्विक क्रिकेट संचालन का नेतृत्व करना मेरे लिए सम्मान की बात है। श्रीमती अंबानी और आकाश के नेतृत्व और मार्गदर्शन ने एमआई को दुनिया की सबसे मूल्यवान क्रिकेट फ्रैंचाइज़ी बना दिया है। और मैं एमआई को विश्व स्तर पर बढ़ते हुए देखकर बहुत खुश हूं। मैं क्रिकेट के एक मजबूत एकजुट वैश्विक ब्रांड के निर्माण के लिए इस नयी जिम्मेदारी के लिए तैयार हूं।

वायुसेना ने जीत का स्वाद चखा, रॉयल रेंजर्स को हराया

नयी दिल्ली, 14 सितंबर। भारतीय वायुसेना ने लगातार पराजयों का सिलसिला तोड़ते हुए प्रीमियर लीग में रोयल रेंजर्स को 4-3 से हराकर पूरे अंक अर्जित किए। मैन ऑफ द मैच मणि मारन, सोमानन्दन सिंह, बिश्वजीत हलदार और तोम्बिंग गुजाम ने विजेता टीम के गोल किए। रॉयल रेंजर्स के लिए डेली (2) और प्रशांत वर्मन ने गोल जमाए। दिन के दूसरे रोमांचक मुकाबले में फ्रेंड्स यूनाइटेड ने तरुण संघा को 3-2 से परास्त किया। विजेता के गोल संडे, अजय और अभिषेक ने किए, जबकि तरुण संघा के दोनों गोल स्टेनले ने जमाए।

स्टार्क, मिचेल, स्टोइनिस भारत दौरे से बाहर

मेलबर्न 14 सितंबर। आस्ट्रेलिया ने अपने तीन चोटिल दिग्गज खिलाड़ियों को अगले महीने होने वाले आईसीसी टी-20 विश्वकप को ध्यान में रखते हुये भारत दौरे से बाहर रखा है।

अनुभवी मिचेल स्टार्क घुटने की समस्या से जूझ रहे है जबकि हरफनमौला मिचेल मार्श एड़ी और मार्कस स्टोइनिस मांसपेशियों में खिंचाव के कारण 20 सितंबर से भारत के खिलाफ शुरू होने वाली तीन मैचों की टी-20 सीरीज में नहीं खेलेंगे। तीनों दिग्गज खिलाड़ियों के 22 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 विश्वकप के पहले मुकाबले तक फिट होने की उम्मीद है। आस्ट्रेलिया ने 15 सदस्यीय दल में तेज गेंदबाज नाथन एलीस, डेनियल सैम्स और सीन एबोट को जगह दी है। टीम अगले हफ्ते भारत के लिये उड़ान भरेगी। स्टोइनिस के तौर पर टीम को हुये नुकसान की भरपाई युवा टिम डेविड करेंगे जिनका यह पहला अंतरराष्ट्रीय टी-20 मुकाबला होगा वहीं मार्श की जगह अनुभवी स्टीव स्मिथ पर प्रबंधन ने एक बार फिर भरोसा जताया है। अनुभवी डेविड वार्नर को भी इस दौरे में विश्राम दिया गया है। आस्ट्रेलिया इस दौरे में भारत के खिलाफ अपना पहला टी-20 मुकाबला मोहाली में 20 सितंबर को खेलेगी जबकि उसका दूसरा मैच 23 सितंबर को नागपुर में होगा। दौरे के तीसरे और अंतिम मैच में टीम हैदराबाद में 25 सितंबर को मेजबान टीम से भिड़ेगी।

मंत्री-विधायकों की सभाओं में पायलट समर्थकों की नारेबाजी के बाद अब गहलोत खेमे के मंत्री हुए मुखर

कांग्रेस में बदलाव की खबरों के बीच राजस्थान में गहलोत-पायलट खेमा खुलकर आमने-सामने आया

■ गोविंद मेघवाल बोले, गहलोत साहब नहीं होते तो हमारी हालत खराब हो जाती।

■ परसादी ने कहा, कोई कुछ भी कहे, सरकार गहलोत की वजह से बची, वरना लोग हमें दो कौड़ी का बनाकर रख देते।

जयपुर, 14 सितम्बर (का.प्र.)। कांग्रेस में चल रही बदलाव की खबरों के बीच राजस्थान कांग्रेस में गुटबाजी चरम पर पहुंचती दिख रही है। मंत्री-विधायकों में इस बात की होड़ लगी है कि, किस तरह से अपने नेताओं को खुश किया जाए। पिछले एक सप्ताह से चल रही बयानबाजियों के बीच अब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खेमे के नेताओं ने भी बयानबाजी शुरू कर दी है। एक दिन पहले जहां गहलोत के मंच से बाबूलाल नागर लोगों को धमका रहे थे, वहीं बुधवार को राज्य के आपदा राहत मंत्री गोविंद मेघवाल ने अशोक गहलोत को एक विचारधारा बताते हुए कहा कि, गहलोत साहब नहीं होते तो हमारी हालत खराब हो जाती। हम आज मंत्री नहीं बनते। यह सारी गहलोत की सूझबूझ है, जिसकी वजह से सरकार बची। इसी के साथ मेघवाल ने चांदना को भी मजबूत नेता बताया।

वहीं, स्वास्थ्य मंत्री परसादीलाल मीणा ने भी एक दिन पहले कहा था कि, विधायकों का विश्वास अशोक गहलोत में है। कोई कुछ भी कहे, लेकिन सरकार गहलोत की वजह से बची है, वरना लोग हमें दो कौड़ी का बनाकर रख देते।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में जनसुनवाई के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए गोविंद मेघवाल ने कहा कि, गहलोत पूरे राजस्थान में एकता कायम कर रहे हैं। अशोक गहलोत अपने आप में एक विचारधारा हैं। गहलोत ने कोरोना में शानदार मैनेजमेंट किया। आज गहलोत के राज में जनता के कल्याण की एक से एक योजनाएं चल रही हैं। हम ऐसे नेता के नेतृत्व में आगे चलेंगे। इससे आगे मेघवाल ने कहा कि, गहलोत महात्मा गांधी, ज्योतिबा फुले और अंबेडकर जैसे महापुरुषों को फॉलो करते हैं। हमारे नेता अशोक गहलोत जैसी योजनाएं देश के किसी राज्य में नहीं मिलेंगी। गहलोत एडवांस में सुविधाएं देते हैं। महात्मा फुले की तरह गहलोत शिक्षा पर जोर दे रहे हैं। अंग्रेजी स्कूल खोले हैं, ताकि गरीब का बच्चा भी अच्छी शिक्षा ले सके।

सचिन पायलट पर मंत्री अशोक चांदना का सीधा हमला और पुष्कर के जूता फेंक कांड पर मेघवाल ने कहा, अशोक चांदना एक प्रखर और मजबूत नेता हैं। पुष्कर में जो घटना हुई है, उस पर अशोक चांदना खुद सब बात कह चुके हैं। जिनके राज में 76 गुर्जर मरे, उन नेताओं को तो वहां मालाएं पहनाकर स्वागत हो रहा था। जिनके परिवार के लोग आंदोलन में जेल गए उन पर जूते फेंके गए। अब फैसला जनता को करना है।

मेघवाल ने आगे कहा, डेमोक्रेसी में अपनी बात कहने का सबको अधिकार है। अगर बुलाया है तो बात सुननी चाहिए। चांदना अपनी बात कहने में सक्षम हैं। उन्होंने जो बातें कहीं हैं, उसमें सब साफ हो गया है। छोटे मोटे झगड़े हर पार्टी में होते हैं।

दूदू में मुख्यमंत्री की सभा में, गहलोत और राजीव गांधी के अलावा तीसरा नारा लगाने पर पुलिस से उठवाने की धमकी देने वाले मुख्यमंत्री के सलाहकार निर्दलीय विधायक बाबूलाल नागर को लेकर मेघवाल ने कहा कि, नागर ने किस संदर्भ में बात कही है, उस पर जाना जरूरी है। बाबूलाल नागर जनाधार वाले और मजबूत नेता हैं। नागर कांग्रेस की नीति पर चलने वाले नेता हैं। नागर ने हमारी सरकार बचाई है।

उल्लेखनीय है कि पिछले कई दिनों से गहलोत और पायलट खेमों में जारी खींचतान के बीच अब बयानबाजी का दौर तेज हो गया है। मंत्रियों की सभाओं में सचिन पायलट के समर्थन में नारेबाजी के बाद अब गहलोत खेमे के मंत्री-विधायक भी खुलकर सामने आने लगे हैं।

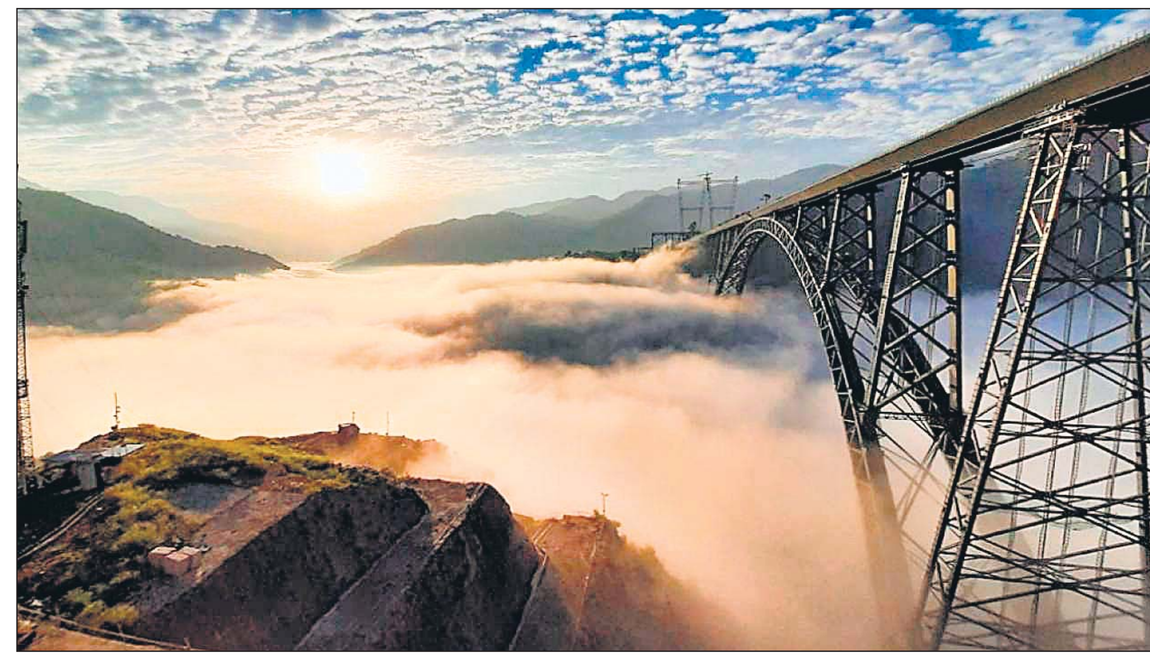

भारतीय रेलवे ने बादलों से घिरे चिनाब ब्रिज की मनमोहक तस्वीरें जारी की हैं। विश्व का यह सबसे ऊंचा पुल भारत का सबसे ऊंचा आर्च ब्रिज है और पेरिस के आइफल टावर से भी 35 मीटर ऊंचा है। ऊधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक परियोजना के तरह चिनाब नदी के ऊपर बनाया गया यह पुल किसी अजूबे से कम नहीं है। भारतीय रेलवे ने ट्विटर पर इसकी चार तस्वीरें शेयर की हैं। यह पुल 1315 मीटर लम्बा तथा चिनाब नदी के तल से 359 मीटर ऊंचा है। दुनिया के इस सबसे ऊंचे रेल्वे पुल पर मेहराब का काम अप्रैल 2021 में ही पूरा हो गया था। मेहराब का कुल वजन 10619 मीट्रिक टन है और उसके हिस्सों को केबल क्रेन द्वारा लगाया गया है। यह काम भारतीय रेलवे द्वारा पहली बार किया गया है। इस खूबसूरत पुल के निर्माण पर 27, 945 करोड़ रू. की लागत आई है और इस साल दिसम्बर से इस पर यातायात शुरू होने की संभावना है।

'राहुल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजस्थान के मुख्यमंत्री की कुर्सी छोड़ना नहीं चाहते हैं।

पर सूत्रों का कहना है कि इन प्रयासों का सकारात्मक नतीजा नहीं मिला है क्योंकि राहुल अपने फैसले पर अड़े हुए हैं।

पुष्कर में मंत्री चांदना पर चप्पल-जूते फेंकने वालों पर कार्रवाई

पुलिस ने 6 जनों को नामजद किया, परन्तु पुलिस पूरी जानकारी नहीं दे रही है

पुष्कर, 14 सितम्बर (निसं)। कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के अस्थि विसर्जन कार्यक्रम में मंच पर अतिथियों से बदतमीजी व जूते चप्पल फेंकने के मामले में पुष्कर पुलिस ने स्वयं प्रसंज्ञान लेकर छह लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया है।

उत्पात मचाने, झंडे दिखाने, बोतल फेंकने व मंच पर चप्पल फेंकने को लेकर मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपी गोपाल गुर्जर, गिरधारी गुर्जर, सांवर लाल गुर्जर, विक्की गुर्जर व जगमाल गुर्जर के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। थाने के ए.एस.आई. श्रवण कुमार पूरे मामले की जांच करेंगे। इन आरोपियों में से तीन पुष्कर के हैं। एक आरोपी बस्सी जयपुर एवं एक आरोपी डुमड़ा मंगलियावास अजमेर निवासी है। कहा जा रहा है कि, आरोपी बनाए जा सकते हैं। पुलिस अब इन आरोपियों की तेजी से तलाश कर रही है।

चप्पल-जूता मामले की वजह से पूरे राजस्थान की सियासत में भूचाल आया हुआ है, जिसमें गहलोत सरकार के खेल मंत्री अशोक चांदना ने, कथित रूप से सचिन पायलट पर इशारों-इशारों में ट्विटर पर यह तक कह दिया कि "मुझ पर जूता फेंककर सचिन पायलट मुख्यमंत्री बनते हैं तो जल्दी ही बन जाएंगे।" मैं मेरी पर आ गया तो दोनों में से कोई एक रहेगा। इस मामले में पुलिस भी फूंक फूंक कर कदम रख रही है। पुष्कर थाना अधिकारी रवीश कुमार से अन्य जानकारी मांगी गई तो उन्होंने बताया की जिला पुलिस अधीक्षक ही बतायेंगे। लेकिन पुलिस अधीक्षक मोबाइल पर कोई जवाब नही दे रहे है और ना ही कोई बातचीत कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के अस्थि विसर्जन कार्यक्रम में कुछ युवकों ने मंत्री अशोक चांदना और मुख्यमंत्री के पुत्र वैभव गहलोत के खिलाफ नारेबाजी की थी। पुलिस इस मामले को लेकर एक्शन में है।

अब किरोड़ी सिंह बैंसला के पुत्र विजय बैंसला ने खुलकर सचिन पायलट को निशाने पर ले लिया है

विजय बैंसला बोले, समाज सचिन पायलट के पीछे ही क्यों जाए, इंद्राज गुर्जर भी हैं और गजराज खटाना समेत कई नेता हैं

■ "समाज व्यक्ति विशेष के पीछे दौड़ता है तब समाज हार जाता है।"

■ उन्होंने यह भी कहा कि, मैं भाजपा का सदस्य हूँ, टिकट मिला तो भाजपा से विधानसभा चुनाव लड़ूंगा।

जयपुर, 14 सितम्बर (का.प्र.)। राजस्थान में सचिन पायलट को मुख्यमंत्री नहीं बनाए जाने को लेकर गुर्जर समाज की नाराजगी स्पष्ट रूप से कई बार सामने आई है और पिछले कुछ दिनों से तो सचिन पायलट समर्थक, विधायक व कार्यकर्ता राजस्थान के मंत्री-विधायकों के कार्यक्रमों में उनके नाम के नारे लगा रहे हैं, जो इस नाराजगी को प्रकट कर रहा है। इसी नाराजगी का सामना 2 दिन पहले पुष्कर में स्व. कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के अस्थि विसर्जन कार्यक्रम के दौरान राजस्थान के मंत्री शकुंतला रावत और अशोक चांदना को करना पड़ा था, लेकिन अब कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के पुत्र विजय बैंसला ने खुलकर सचिन पायलट को निशाने पर ले लिया है। वहीं उन्होंने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि वे भाजपा के सदस्य हैं और टिकट मिला दो विधानसभा का चुनाव भाजपा से लड़ेंगे।

विजय बैंसला ने अप्रत्यक्ष रूप से सचिन पायलट को निशाने पर लेते हुए कहा कि पिछले चुनाव में भाजपा से समाज के 13 नेता नहीं जीते, वो क्यों हारे, यह भी समाज को समझना होगा। बैंसला ने कहा कि जब समाज व्यक्ति विशेष के पीछे दौड़ता है तब समाज हार जाता है, लेकिन जब समाज, समाज के साथ ही खड़ा रहता है तब वहां जीतता है। बैंसला ने कहा कि जब समाज व्यक्ति विशेष की विचारधारा के पीछे खड़ा रहेगा तो समाज को ही नुकसान होगा। उन्होंने यह भी कहा कि समाज सचिन पायलट के पीछे ही क्यों जाए, इंद्राज गुर्जर भी हैं और गजराज खटाना समेत कई नेता हैं। कहने का तात्पर्य है कि समाज, समाज से जुड़े और मजबूत बने।

इतना ही नहीं विजय बैंसला ने यह भी कहा कि एक बार सचिन पायलट के लिए छोड़ दिया, लेकिन हमेशा नहीं छोड़ा जाता।

बैंसला ने दावा भी किया कि उन्हें पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा से आसींद विधानसभा का टिकट दिया जा रहा था, लेकिन उन्होंने उस समय चुनाव लड़ने से मना कर दिया था।

सोमवार को पुष्कर में कर्नल बैंसला के अस्थि कलश विसर्जन कार्यक्रम में भाजपा और कांग्रेस के साथ ही कई बड़े राजनेताओं का जमावड़ा दिखा। इसके बाद कयास इसी बात के लगाए जा रहे थे कि आने वाले विधानसभा चुनाव से पहले यह एम.बी.सी. समाज का शक्ति-प्रदर्शन है और अब कर्नल बैंसला के पुत्र विजय बैंसला ने भी अप्रत्यक्ष रूप से इसे स्वीकार कर लिया है। विजय कहते हैं कि इस कार्यक्रम में जुटे हजारों समाज बंधुओं की यह ताकत है और यही पॉलिटिक्स में एमबीसी समाज की ताल ठोक कर एंट्री भी है।

विजय बैंसला ने कहा कि वे भाजपा के मेंबर हैं और यदि अगले चुनाव में भाजपा उन्हें टिकट देती है तो वह जरूर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि 40 सीटें एमबीसी बाहुल्य क्षेत्रों में आती है उनमें से कहीं पर भी यदि टिकट मिलता है तो वे चुनाव लड़ेंगे।

हालांकि, वह यह भी कहते हैं कि उनके लिए पहले समाज है और उसके बाद राजनीतिक दल।

भाजपा के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा कार्यकर्ताओं यह दायित्व सौंपा गया है तथा उन्हें ऐसे आदेश प्रदान किये गये हैं कि वे एस.सी. बहुत तथा आरक्षित सीटों के अन्तर्गत आने वाले मतदान केन्द्रों पर पार्टी की मौजूदगी एंव उसके समर्थन का यथासम्भव बढ़ायेंगे। भाजपा एस.सी. मोर्चो के कार्यकर्ताओं को भी यह जिम्मेदारी दी गई है कि वे एस.सी. युवाओं को लक्ष्य बनाते हुये गहन सम्पर्क अभियान चलायेंगे। पार्टी ने पूरे देश में 7500 एस.सी. युवा छात्रावास चिन्हित किये हैं तथा पार्टी की योजना है कि वहाँ इस समुदाय के उपक्षित महापुरूषों पर डिबेट शुरू की जायेंगी।

"पंचतीर्थ" डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर से जुड़े स्थानों के पुनर्विकास की मोदी सरकार की योजनाओं को जोर देते हुये उनके समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा। भाजपा सरकार ने दिल्ली के प्रमुख स्थान पर डॉ. अम्बेडकर फाउन्डेशन सेन्टर भी बनाया है।

पांच महीने की भारत जोड़ो यात्रा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

निर्भर करता है कि राहुल गांधी इस यात्रा के बाद, यानी पाँच महीने के बाद क्या करते हैं। राजनीति 365 दिन की तथा 24 घंटे की सतत गतिविधि बन चुकी है। इस यात्रा का लाभकारी असर यात्रा के पूरा होने के केवल दो तीन महीने बाद तक ही रहेगा। इसके बाद फॉलो-अप की जरूरत हैं।

दत्ता ने कहा कि छवि गढ़ने का काम कोई भी कर सकता है, और राहुल गांधी भी इसे गढ़ सकते हैं। लेकिन समस्या यह है कि इसके लिये बहुत सारा पैसा, बहुत सारा प्रयास तथा पूरी तरह से निरन्तरता आवश्यक है। जहाँ तक कोशिश का सम्बन्ध है, वे आसानी से कर सकते हैं तथा जहाँ तक पैसे एवं निरन्तरता की बात है, वे बहुत ज्यादा सुपरिचित नहीं हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अब तक जो कुछ किया है, उसकी ठीक विरोधाभासी स्थिति यह है कि भाजपा झूठे बयान देती है, लेकिन वह वाट्सऐप, ट्विटर तथा हर सम्भव मंच पर उस गलत बयानी पर जमी रहती है। यही स्थिति "आप" की है। ये दोनों ही दल बहुत ज्यादा विशाल धनराशि खर्च करते हैं, मीडिया को देते हैं, एंकरों को देते हैं, मीडिया मालिकों को देते हैं, जिससे कि उनके सन्देश हर हर जगह पहुँचते रहें।

कांग्रेस भी ऐसा कर सकती है। लेकिन लोग यह नहीं जानते कि क्या कांग्रेस के पास उस किस्म का पैसा है तथा क्या वह उस पैसे को इन चीजों पर खर्च करना चाहती है। इसके अलावा, दूसरी चीज है-निरन्तरता। इससे पहले भी, कई बार राहुल गांधी ने बहुत सी समझदारी की बातें कही हैं। लेकिन अगर आप सामने तथा समाचारों में रोजाना नहीं बने रहते, तो वे समझदारी की बातें कारगर नहीं रहतीं। लेकिन एक बात तो तय है कि यह यात्रा राहुल गांधी के पक्ष में इतना तो जरूर करेगी कि कांग्रेस के अन्दर, उभयपक्षीय लोगों में तथा उन लोगों में, जो यह मानते हैं कि राहुल कुछ नहीं करते या मेहनत करने की उनकी क्षमता पर सन्देह करते हैं।

गांगुली और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बल्कि प्रशासन की वजह से।" जस्टिस चंद्रचूड़ के नेतृत्व वाली इस दो सदस्यीय बैंच में उनके साथ जस्टिस हिमा कोहली थी। उन्होंन बी.सी.सी.आई. के संविधान में संशोधन को अनुमति दे दी कि बी.सी.सी.आई. के पदाधिकारों और संबंधित राज्य इकाई के पदाधिकारियों को लगातार दो कार्यकाल की अनुमति दे दी गई है।

'रिज़र्ववेशन...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विल्सन ने कहा कि यदि 15(6) का क्रियान्वयन हो जाता है तो समानता का कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। अनुच्छेद 46 की बात करते हुए, जो कि कमजोर तबके के लिए है, उन्होंने कहा कि जाति और सामाजिक पिछड़ेपन का उल्लेख नहीं किया गया है। अनुच्छेद 46 के अन्तर्गत आरक्षण कोई गरीबी उन्मूलन योजना नहीं है।

विवाहित पुत्रियां भी अनुकंपा नौकरी की हकदार

राजस्थान हाई कोर्ट की वृहद् पीठ ने इस संबंध में आदेश जारी किए

■ लेकिन यह आदेश उन्हीं पर लागू होता है जिनके आवेदन सरकार के पास या कोर्ट में लंबित हों और जो सभी पात्रताएं पूरी करती हों।

जोधपुर, 14 सितम्बर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट की वृहद पीठ ने आश्रित विवाहित पुत्रियों को भी अनुकंपा नियुक्ति पाने का हकदार माना है। लेकिन यह आदेश सिर्फ उन्हीं पर लागू होगा जिनके आवेदन सरकार या कोर्ट के पास लंबित चल रहे हैं और विवाहित पुत्रियां अन्य सभी पात्रताएं पूरी कर रही हों।

राजस्थान हाईकोर्ट के समक्ष यह विधिक प्रश्न उठाया गया था कि मृत सरकारी कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति देने के नियम 1996 के तहत आश्रितों में सिर्फ अविवाहित, विधवा व दत्तक पुत्री को ही शामिल किया गया है, किन्तु विवाहित पुत्री को इस दायरे में शामिल नहीं किया गया था। ऐसे में विवाहित पुत्री अनुकंपा नौकरी से वंचित रहती आई है। यह मामला पूर्व में खंडपीठ के समक्ष पेश हुआ, लेकिन खंडपीठ ने इस मामले को राज्य का नीतिगत निर्णय मानते हुए इसमें हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया। इस बीच राज्य सरकार ने अक्टूबर 2021 में नियमों में संशोधन कर दिया और विवाहित पुत्री को आश्रित की श्रेणी में शामिल कर लिया।

ऐसे में हाईकोर्ट में इस मामले की सुनवाई के लिए न्यायाधीश संदीप मेहता, न्यायाधीश विजय विश्नोई व न्यायाधीश अरुण भंसाली की वृहद पीठ का गठन किया गया।

इस पीठ को यह तय करना था कि इस नियम में संशोधन से पहले विवाहित पुत्री को अनुकंपा नियुक्ति से वंचित रखना क्या भेदभाव पूर्ण व संविधान के अनुच्छेद 14 व 16 का उल्लंघन था। वृहद पीठ ने मामले की सुनवाई करने के बाद कहा कि विवाहित पुत्री को अनुकंपा नियुक्ति से वंचित करने वाला वर्ष 1996 का नियम भेदभाव पूर्ण था। यह संविधान के अनुच्छेद 14 व 16 का उल्लंघन है। ऐसे में अविववाहित शब्द को हटाते हुए कहा कि वर्ष 1996 के नियम 5 में अविवाहित पुत्र, दत्तक अविवाहित पुत्री शब्द को पुत्री, दत्तक पुत्री पढ़ा जाए। साथ ही विवाहित पुत्री को अनुकंपा नियुक्ति से इनकार करने वाले निर्णयों को पीठ ने खारिज कर दिया। अपने फैसले में वृहद पीठ ने कहा कि अविवाहित शब्द हटाने से यह ऐसे किसी मामले को प्रभावित नहीं करेगा जिसमें अनुकंपा नियुक्ति पहले से दी जा चुकी है।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908